परीक्षा मंथन®

सामान्य ज्ञान/सामान्य अध्ययन

नवीनतम् संस्करण-2026-28

(संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, लोअर सबॉर्डिनेट, आरओ/एआरओ, पीसीएस (जे),
कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, एनडीए, सीडीएस, सीपीएफ,
एलआईसी, जीआईसी, बी-एड, यूजीसी-नेट
तथा अन्य सभी परीक्षाओं हेतु एक सम्पूर्ण संदर्भ ग्रन्थ)

मूल्य : 825/-

(आठ सौ पच्चीस रुपए मात्र)

मंथन प्रकाशन

7R/5 कैलाशपुरी कॉलोनी, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज

मोबाइल नं. : 09335151971

सम्पादकीय

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में परीक्षार्थी की सफलता की पहली सीढ़ी एक मानक एवं सारगर्भित पुस्तक को ही माना जाता है। इसी को ध्यान में रखकर परीक्षा मंथन-सामान्य ज्ञान/सामान्य अध्ययन का यह अंक तैयार किया गया है। सामान्य ज्ञान (General Knowledge) से अभिप्राय उस सामान्य अध्ययन (General Studies) से है, जिस पर अच्छी पकड़ प्रतियोगी परीक्षाओं में निर्णायक सिद्ध होती है। इसका फलक अत्यंत विस्तृत है तथा इसके अंतर्गत प्रायः सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में मुख्य रूप से इतिहास, सामान्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संविधान, राजव्यवस्था, अर्थव्यवस्था, भूगोल, खेल, जनगणना, कम्प्यूटर तथा कला एवं संस्कृति आदि पर केंद्रित प्रश्न पूछे जाते हैं। परीक्षार्थियों की व्यावहारिक दिक्कत यह होती है कि इतने सारे विषयों पर उन्हें एक जगह मानक और प्रामाणिक पाठ्य सामग्री पढ़ने को नहीं मिल पाती। फलतः उन्हें अलग-अलग स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिसमें उनका समय भी बर्बाद होता है और भरपूर परीक्षोपयोगी सामग्री भी नहीं मिल पाती। परीक्षार्थियों की इसी व्यावहारिक दिक्कत को ध्यान में रखकर ही हमने इस पुस्तक का प्रकाशन किया।

इस पुस्तक के माध्यम से हमने मंथन प्रकाशन की विश्वास की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह साबित किया है कि गुणवत्ता ही हमारी पहचान है। यह कहना असंगत न होगा कि इस पुस्तक को पूरे तौर पर परीक्षोपयोगी बनाते हुए जो स्वरूप हमने प्रदान किया है, वह गागर में सागर भरने जैसा असाधारण एवं श्रम साध्य कार्य है। इस पुस्तक की सर्वप्रमुख विशेषता यह है कि अध्यायवार अध्ययन सामग्री को परीक्षा में पूछे जा रहे प्रश्नों की प्रकृति के आधार पर तैयार किया गया है। अध्यायवार प्रस्तुत पाठ्य सामग्री में जहां हमने विगत परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का संकेतक (■) देकर आपका ध्यान आकर्षित किया है, वहीं विशेष महत्त्व के तथ्यों एवं जानकारियों को बॉक्स और सारणियों के माध्यम से सामने लाया गया है, जिनकी आपके लिए विशेष उपादेयता है। इस संशोधित संस्करण के सभी खंडों की सामग्री को परीक्षाओं के रुझान एवं प्रारूप को ध्यान में रखकर अद्यावधिक विस्तार दिया गया है। हमने भाषा को सहज, सरल एवं निर्दोष रखते हुए इस पुस्तक को प्रतियोगितामूलक संस्पर्श प्रदान किया है, न कि विद्वतामूलक। यहां यह भी रेखांकित करना चाहूंगा कि इस पुस्तक को एनसीईआरटी (NCERT) पद्धति के अनुरूप प्रारूप प्रदान किया गया है, जो कि इसकी विशिष्टताओं में से एक है। सारतः यही कहूंगा कि इस पुस्तक के माध्यम से परीक्षार्थियों को सारगर्भित, परीक्षोपयोगी एवं स्तरीय पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाते हुए यह प्रयास किया गया है कि उनकी सामान्य ज्ञान (सामान्य अध्ययन) पर न सिर्फ पकड़ मजबूत हो, बल्कि उनमें अवधारणात्मक समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा तुलनात्मक दृष्टिकोण का भी समुचित विकास हो। हमने इस पुस्तक में सभी वर्गों के परीक्षार्थियों का पूरा-पूरा ध्यान रखा है। कहने का आशय यह कि यह पुस्तक जहां देश की शीर्ष आईएएस परीक्षा एवं राज्य स्तरीय सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए उपयोगी है, वहीं बैंक, सीडीएस, रेलवे, पीसीएस (जे), एपीओ, लोअर सबॉर्डिनेट, एसएससी, एनडीए, सीपीएफ, एलआईसी, जीआईसी, बी-एड, यूजीसी-नेट एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी उपयोगी है।

आपका

अनिल अग्रवाल

(संपादक)

संपादक : अनिल अग्रवाल

नवीनतम संस्करण 2026-28

ISBN : 978-93-82684-44-2

प्रधान कार्यालय : मंथन प्रकाशन, 7R/5, कैलाशपुरी कालोनी ताशकन्द मार्ग, सिविल लाइंस, प्रयागराज

मोबाइल नं. : 09335151971

मूल्य : 825/- (आठ सौ पच्चीस रुपए मात्र)

© अनिल अग्रवाल

website : www.manthanprakashan.in

email : manthan.prakashan@gmail.com

www.facebook.com/parikshamanthan

Telegram Channel : https://t.me/ParikshaManthan

Follow Instagram :

https://www.instagram.com/ParikshaManthan

https://www.agrawalanil.com **(e-book)**

YouTube channel : youtube.com/ParikshaManthanOfficial

पंजीकरण संख्या : 64777/96

वैधानिक सूचना

संपादक की लिखित अनुमति के बिना परीक्षा मंथन सामान्य अध्ययन से किसी सामग्री का न तो अनुकरण किया जा सकता है और न ही इसे किसी रूप में पुनः किसी माध्यम द्वारा प्रकाशित या प्रसारित किया जा सकता है। परीक्षा मंथन सामान्य ज्ञान में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने हैं, उनसे संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। समस्त वाद-प्रतिवाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायिक क्षेत्राधिकार के अधीन ही मान्य होंगे।

परीक्षा मंथन®

सामान्य ज्ञान/सामान्य अध्ययन
(General Knowledge/General Studies)

अनुक्रमणिका

■ विषय-सूची I-VIII

■ **अद्यतन सामान्य ज्ञान** 1-8

➔ स्वतंत्रता संग्राम की अनसुनी महिला नायिकाएं ➔ वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हुए ➔ संविधान का संथाली संस्करण और 'ओल चिकी' लिपि ➔ चर्चित ट्रेन एवं रेल योजनाएं ➔ जनजातीय गौरव दिवस ➔ स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आदिवासी नायक/नायिकाएं ➔ चर्चित प्रतिमाएं ➔ भारत के बंदरगाह ➔ निर्मित/निर्माणाधीन सुरंगे एवं पुल अद्यतन ➔ भारत की जल विद्युत परियोजनाएँ

■ **भारत एवं विश्व का इतिहास** 9-164

➔ **प्राचीन भारत** : प्रमुख भारतीय राजवंश एवं उनका कालक्रम ➔ **मध्यकालीन भारत** : प्रमुख भारतीय राजवंश एवं उनका कालक्रम ➔ **आधुनिक भारत** : प्रमुख भारतीय राजवंश एवं उनका कालक्रम

प्राचीन भारत का इतिहास

■ **अतीत के अध्ययन हेतु काल-विभाजन**

■ **प्रागैतिहासिक काल**

➔ पाषाण काल ➔ पाषाण काल : तीन भागों में बांटा गया है ➔ ताम्र-पाषाण काल ➔ पूर्व सैंधव ताम्र-पाषाणिक संस्कृतियाँ ➔ उत्तर सैंधव ताम्र पाषाणिक संस्कृतियाँ

■ **हड़प्पा सभ्यता**

➔ सिन्धु सभ्यता के महत्वपूर्ण स्थल, भौगोलिक स्थिति एवं वहाँ से प्राप्त वस्तुयें ➔ काल निर्धारण ➔ विशेष दृष्टि ➔ नगर नियोजन ➔ धार्मिक जीवन ➔ आर्थिक जीवन ➔ सिंधु सभ्यता में विज्ञान एवं तकनीक ➔ सिन्धु सभ्यता के पतन के कारण

■ **वैदिककाल**

➔ वेद ➔ ब्राह्मण ➔ आरण्यक ➔ उपनिषद ➔ ऋग्वैदिक काल (1500ई. पू.- 1000 ई. पू.) ➔ ऋग्वेद में वर्णित प्रमुख नदियाँ ➔ प्रमुख आभूषण ➔ भोजन ➔ गाय से सम्बन्धित शब्दावली ➔ कृषि सम्बन्धी शब्दावली ➔ प्रमुख व्यवसायी ➔ ऋग्वैदिक प्रमुख देवी-देवता ➔ उत्तर वैदिक काल (1000 - 600 ई.पू.) ➔ राज्य के प्रकार ➔ राजा के पदाधिकारी ➔ सामाजिक जीवन ➔ विवाह के प्रकार ➔ चार आश्रम ➔ तीन ऋण ➔ पंच महायज्ञ ➔ सोलह संस्कार ➔ आर्थिक जीवन ➔ वैदिक शब्दावली

■ **प्राचीन भारतीय धर्म एवं दर्शन**

➔ महावीर एवं बुद्ध के समकालीन विचारक ➔ जैन धर्म ➔ पार्श्वनाथ का जीवन परिचय ➔ महावीर स्वामी ➔ जैनधर्म के त्रिरत्न ➔ पंचव्रत ➔ जैन तीर्थंकर एवं उनके प्रतीक चिन्ह ➔ बौद्ध धर्म ➔ बुद्ध का जीवन परिचय ➔ चार आर्य सत्य ➔ बौद्ध संगीतियाँ ➔ हीनयान एवं महायान में अंतर ➔ बुद्ध से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण घटनायें व प्रतीक ➔ भागवत (वैष्णव) धर्म ➔ शैव धर्म

■ **महाजनपद काल**

➔ बुद्धकालीन भारत के सोलह महाजनपद ➔ बुद्धकालीन गणराज्य

■ **मगध का उत्कर्ष**

➔ हर्यक वंश - 544 ई.पू. - 412 ई.पू. ➔ शिशुनाग वंश (412 ई. पू. - 344 ई. पू.) ➔ नंद वंश (344 ई.पू.-322ई. पू.) ➔ विदेशी आक्रमण ➔ सिकन्दर का जीवन परिचय

■ **मौर्य साम्राज्य**

➔ चन्द्रगुप्त मौर्य- (322-298 ई. पू.) ➔ चन्द्रगुप्त के यूनानी नाम ➔ बिन्दुसार (298-273 ई. पू.) ➔ अशोक (273-232 ई. पू.) ➔ मौर्यों का केन्द्रीय प्रशासन ➔ केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकारी ➔ मौर्यकालीन सैन्य व्यवस्था ➔ न्याय व्यवस्था ➔ अशोक के अभिलेखों का वर्गीकरण ➔ सामाजिक व्यवस्था ➔ आर्थिक जीवन ➔ मौर्य कला

■ **मौर्योत्तरकाल**

➔ शुंग वंश ➔ कण्व वंश ➔ सातवाहन वंश ➔ हिन्द यवन (इण्डोग्रीक) ➔ यूथीडेमस वंश ➔ शक वंश ➔ क्षहरात्र वंश ➔ कार्द्धमक वंश ➔ कुषाण वंश ➔ मौर्योत्तर कालीन अर्थव्यवस्था

■ **गुप्त साम्राज्य**

➔ चन्द्रगुप्त प्रथम (319-335 ई.) ➔ समुद्रगुप्त (335 -375 ई.) ➔

कुमारगुप्त I (415-455 ई.) ➔ स्कन्दगुप्त (455-467 ई.) ➔ स्कन्दगुप्त के उत्तराधिकारी (467-550 ई.) ➔ विष्णुगुप्त (548-550 ई.) ➔ गुप्तकालीन संस्कृति ➔ गुप्तकालीन रचनायें एवं उनके लेखक ➔ गुप्तों के समकालीन राजवंश

- **गुप्तोत्तरकाल**

➔ वर्धन वंश (पुष्यभूति वंश) ➔ हर्ष के समकालीन राजा

- **राजपूतकाल (पूर्व मध्यकाल)—**

➔ त्रिपक्षीय संघर्ष ➔ पाल वंश ➔ गुर्जर-प्रतिहार वंश

- **राष्ट्रकूट वंश—**

➔ साम्राज्य के लिए संघर्ष का युग (1000-1200 ई.) ➔ मालवा के परमार वंश ➔ गुजरात के चालुक्य/सोलंकी वंश ➔ चंदेल वंश ➔ कलचुरि वंश ➔ चौहान वंश ➔ गाहड़वाल वंश ➔ कश्मीर के राजवंश ➔ पूर्व मध्यकालीन प्रमुख राजवंश - एक दृष्टि में ➔ पूर्व मध्यकालीन प्रमुख विद्वान एवं उनकी रचनायें

- **दक्षिण भारत का इतिहास—**

➔ संगम युग ➔ संगम साहित्य ➔ चोल वंश ➔ पांड्य वंश ➔ चेर वंश ➔ समाज के चार वर्ग ➔ संगम युगीन प्रमुख देवी देवता ➔ प्रमुख बंदरगाह ➔ चालुक्य वंश ➔ चालुक्यकालीन विद्वान एवं उनकी रचनायें ➔ शंकराचार्य 788 - 820 ई. ➔ शंकराचार्य द्वारा स्थापित मठ ➔ शंकराचार्य का अद्वैतवाद ➔ चोल साम्राज्य ➔ राजा के पदाधिकारी ➔ प्रमुख कर ➔ सैन्य व्यवस्था ➔ न्याय व्यवस्था ➔ स्थानीय सभायें ➔ चोलकालीन साहित्य ➔ चोलकालीन महत्त्वपूर्ण शब्दावली ➔ चोलकालीन मंदिर

- **प्राचीन भारतीय कला—**

➔ स्थापत्य कला ➔ प्रमुख स्तूप ➔ प्रमुख स्तूप ➔ भारतीय दर्शन ➔ चार्वाक दर्शन ➔ षट् दर्शन ➔ 600 ई. पू. से 500 ई. पू. के छः प्रमुख विचारवादी सम्प्रदाय ➔ प्राचीन भारत के प्रमुख सूत्रकार एवं उनके ग्रन्थों के नाम ➔ विभिन्न भारतीय संवत् ➔ भारत पर आक्रमण करने वाले प्रमुख विदेशी आक्रांता ➔ भारत के ऐतिहासिक युद्ध ➔ प्राचीन भारतीय उत्खनन तथा अवशेष ➔ उपनाम/संज्ञाएँ

मध्यकालीन भारत का इतिहास

- **इस्लाम का उदय**

➔ पैगम्बर मुहम्मद साहब का जीवन परिचय ➔ मुसलमानों के 5 कर्तव्य

- **अरबों की सिन्ध विजय**
- **तुर्कों का उदय एवं भारत पर आक्रमण**

➔ अलप्तगीन (962 - 977) ई. ➔ महमूद गजनवी (998-1030 ई.) ➔ महमूद गजनवी के प्रमुख भारतीय अभियान ➔ मुहम्मद गोरी ➔ मुहम्मद गोरी के भारतीय अभियान

- **दिल्ली सल्तनत-1206-1526 ई.**

➔ गुलाम वंश ➔ रजिया : एक दृष्टि में ➔ गुलाम वंश से सम्बन्धित मुख्य तथ्य ➔ खिलजी वंश (1290-1320) ➔ उत्तर भारत की विजय एक दृष्टि में ➔ अलाउद्दीन खिलजी के समय दक्षिण के राज्य ➔ अलाउद्दीन खिलजी की बाजार नियंत्रण नीति ➔ तुगलक वंश (1320 ई.-1414 ई.) ➔ प्रशासनिक योजनाएं ➔ फिरोजशाह तुगलक के आर्थिक सुधार ➔ सैयद वंश (1414 ई. - 1451 ई.) ➔ लोदी वंश (1451-1526) ➔ सल्तनतकालीन प्रशासन ➔ सल्तनत काल के सामान्य पदाधिकारी ➔ सल्तनतकालीन प्रमुख कर ➔ भू-राजस्व निर्धारण की पद्धतियां ➔ सल्तनत प्रशासन ➔ सल्तनतकालीन स्थापत्य कला ➔ प्रमुख इमारतें ➔ सल्तनत कालीन साहित्य

- **क्षेत्रीय राज्य**

➔ विजयनगर साम्राज्य (1336-1678 ई.) ➔ संगम वंश (1336 ई.-1486 ई.) ➔ सालुव वंश (1486 ई.- 1505 ई.) ➔ तुलुव वंश (1505 ई.-1570 ई.) ➔ आरविडु वंश (1570-1646 ई.) ➔ महत्वपूर्ण तथ्य ➔ विजयनगर कालीन प्रशासन ➔ विजयनगरकालीन मुद्रा प्रणाली ➔ विजयनगर काल में आये विदेशी यात्री ➔ विजयनगर के प्रमुख राजवंश एवं उनके शासक ➔ विजयनगर कालीन संस्कृति ➔ कृष्णदेवराय के दरबार में रहने वाले अष्ट दिग्गज ➔ विजयनगरकालीन मंदिर ➔ बहमनी राज्य

- **उत्तर भारत और दक्कन के प्रांतीय राजवंश**
- **धार्मिक आंदोलन**

➔ भक्ति आन्दोलन ➔ भक्ति आंदोलनों के महत्वपूर्ण संत ➔ कृष्ण भक्ति शाखा के संत ➔ रामभक्ति शाखा के संत ➔ सिक्ख धर्म गुरु ➔ भारत में सूफीवाद ➔ सूफियों के प्रमुख सिलसिले एवं उनके संस्थापक ➔ प्रमुख सिलसिला और उनके संत

- **मुगल वंश-1526-1857 ई.**

➔ जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ➔ बाबर के आक्रमण के समय भारतीय राज्य ➔ बाबर द्वारा भारत में लड़े गये प्रमुख युद्ध ➔ बाबर की उपाधियाँ ➔ हुमायूँ (1530 ई.–1556 ई.) ➔ हुमायूँ द्वारा लड़े गये प्रमुख युद्ध ➔ सूरवंश (1540 ई.-1555 ई.) शेरशाह सूरी (1540 ई.-1545 ई.) ➔ शेरशाह का केन्द्रीय प्रशासन ➔ शेरशाह द्वारा बनवाई गई सड़कें ➔ शेरशाह द्वारा चलाये गये सिक्के ➔ अकबर (1556 ई.-1605 ई.) ➔ अकबर के सैन्य अभियान/विजय ➔ अकबर के प्रमुख कार्य ➔ अकबर के समय में प्रमुख विद्वान ➔ जहांगीर (1605 ई.-1627 ई.) ➔ नूरजहां ➔ जहांगीर के समय की घटनायें ➔ जहांगीर के 12 अध्यादेश ➔ शाहजहां (1628 ई.-1658 ई.) ➔ शाहजहाँ के समय में होने वाले विद्रोह ➔ शाहजहाँ के पुत्रों के मध्य उत्तराधिकार का युद्ध ➔ औरंगजेब (1658 ई.-1707 ई.) ➔ औरंगजेब के काल में होने वाले विद्रोह

- **उत्तर मुगलकाल (1707 से 1857 तक)**

➔ बहादुरशाह-I (1707 ई.-1712 ई.) ➔ जहाँदारशाह (1712 ई.-1713 ई.) ➔ फर्रुखशियर (1713 ई.-1719 ई.) ➔ औरंगजेब के उत्तराधिकारी ➔ नादिरशाह का आक्रमण ➔ मुगल प्रशासन ➔ सम्राट के

पदाधिकारी एक दृष्टि में ➔ मुगल काल में भूमि के प्रकार ➔ मुगलकालीन स्थापत्य कला ➔ जहांगीरकालीन इमारतें ➔ मुगल चित्रकला ➔ मुगलकालीन संगीत-कला ➔ मुगलकालीन साहित्य ➔ मुगलकाल में अनुवादित ग्रंथ ➔ मुगलकाल में आये विदेशी यात्री

- **मराठा**

➔ शिवाजी (1627 ई.–1680 ई.) ➔ शिवाजी के अभियान : एक दृष्टि में ➔ भू-राजस्व व्यवस्था ➔ सैन्य व्यवस्था ➔ शिवाजी के अष्ट प्रधान ➔ मराठा छत्रपति—एक दृष्टि में ➔ मराठा पेशवा—एक दृष्टि में

- **पेशवाकाल**

➔ बालाजी विश्वनाथ (1713 ई.–1720 ई.) ➔ बालाजी बाजीराव (1740 ई.–1761 ई.)

- **भारत के ऐतिहासिक युद्ध**
- **उपनाम/संज्ञाएं**
- **मध्य युग में भारत पर आक्रमण करने वाले प्रमुख विदेशी आक्रांता**
- **विदेशी यात्री**

आधुनिक भारत का इतिहास

- **भारत में यूरोपीय वाणिज्य का प्रारंभ/भारत में यूरोपीयों का आगमन**

➔ यूरोपियों के भारत आगमन का क्रम ➔ कर्नाटक के युद्ध ➔ महत्वपूर्ण युद्ध

- **बंगाल में अंग्रेजी प्रभुसत्ता**

➔ अलीवर्दी खाँ (1740-56 ई.) ➔ सिराजुद्दौला (1756-57 ई.) ➔ काल कोठरी की घटना (20 जून, 1756 ई.) ➔ प्लासी का युद्ध (23 जून, 1757 ई.) ➔ मीरजाफर (1757-60 ई.) ➔ मीरकासिम (1760-63 ई.) ➔ बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर, 1764 ई.) ➔ आंग्ल-मैसूर संघर्ष ➔ हैदर अली ➔ आँग्ल-मैसूर युद्ध — एक दृष्टि में ➔ टीपू सुल्तान (1782-1799 ई.) ➔ आंग्ल-मराठा युद्ध

- **सिक्ख राज्य एवं आंग्ल सिक्ख युद्ध**

➔ सिक्ख सम्प्रदाय के दस गुरु ➔ रणजीत सिंह के उदय के पहले पंजाब की मिस्लें ➔ रणजीत सिंह की उपलब्धियाँ ➔ अमृतसर की संधि (25 अप्रैल, 1809 ई.) ➔ रणजीत सिंह का साम्राज्य विस्तार ➔ रणजीत सिंह के उत्तराधिकारी-1839-49 ई. ➔ प्रथम आँग्ल-सिक्ख युद्ध (1845-46) ➔ लाहौर की संधि (9 मार्च 1846 ई.) ➔ द्वितीय आँग्ल सिक्ख युद्ध (1848-49 ई.) ➔ कम्पनी शासन के अंतर्गत प्रशासनिक व्यवस्था ➔ ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत भूमि बन्दोबस्त ➔ प्रमुख कृषि पद्धतियाँ ➔ प्रमुख शिक्षा आयोग, गठन वर्ष तथा उनके मुख्य प्रावधान

- **भारत में ब्रिटिश राज्य का आर्थिक प्रभाव**
- **1857 का विद्रोह**

➔ पुस्तकें ➔ कारण ➔ विद्रोह का प्रारम्भ ➔ 1857 के विद्रोह के महत्वपूर्ण केन्द्र ➔ विद्रोह की असफलता के कारण ➔ व्यपगत सिद्धान्त के अंतर्गत अधिगृहीत किए गए राज्य ➔ महारानी विक्टोरिया का घोषणा-पत्र ➔ 1857 के विद्रोह से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य

- **आदिवासी विद्रोह/जनजाति आंदोलन**

➔ प्रमुख आदिवासी विद्रोह ➔ अन्य प्रमुख विद्रोह

- **कृषक आंदोलन**

➔ 19वीं शताब्दी के कृषक आन्दोलन ➔ नील आन्दोलन (1859-60 ई.) ➔ 20वीं शताब्दी के किसान आन्दोलन ➔ एका आन्दोलन ➔ बारदोली सत्याग्रह ➔ अखिल भारतीय किसान संगठन की स्थापना (1936 ई.)

- **आधुनिक शिक्षा का विकास**
- **19वीं शताब्दी पुनर्जागरण**

➔ राजा राममोहन राय : एक दृष्टि में ➔ ब्रह्म समाज ➔ परमहंस मंडली ➔ मलाबारी प्रस्ताव ➔ शारदा ऐक्ट (1929 ई.) ➔ अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून व अधिनियम

- **मुस्लिम सुधार आंदोलन**

➔ अलीगढ़ आन्दोलन ➔ देवबन्द आन्दोलन ➔ अहमदिया आन्दोलन ➔ भारत में समाचार-पत्रों का इतिहास ➔ ब्रिटिश भारत के प्रमुख समाचार पत्र ➔ प्रमुख समाचार पत्र अधिनियम तथा उनके प्रावधान

- **गवर्नर एवं गवर्नर जनरल/वायसराय**

राष्ट्रीय आन्दोलन (1885-1947 ई.)-

➔ राष्ट्रवाद का उदय ➔ कांग्रेस की स्थापना ➔ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन ➔ कांग्रेस में प्रथम ➔ प्रमुख यूरोपियन जिन्होंने कांग्रेस की अध्यक्षता की ➔ कांग्रेस के संबंध में महत्त्वपूर्ण वक्तव्य ➔ कांग्रेस का प्रथम चरण का आंदोलन (1885-1905) (उदारवादी चरण) ➔ कांग्रेस आंदोलन का द्वितीय चरण (उग्रवादी/नरमपंथी चरण) 1905-1919 ई. ➔ कर्जन के कारनामे ➔ उग्र राष्ट्रवाद के उदय के कारक ➔ गरम दल के नेता ➔ बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी तथा बहिष्कार आंदोलन ✹ दिल्ली दरबार (1911) ➔ कांग्रेस विभाजन ➔ नरमदल एवं गरमदल के बीच दूरी बढ़ाने वाले कारक ➔ प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान राष्ट्रीय आंदोलन ➔ युद्ध काल में कांग्रेस के अधिवेशन ➔ कांग्रेस में गरमदल का विलय ➔ कांग्रेस-मुस्लिम लीग पैक्ट ➔ होमरूल आंदोलन ➔ बाल गंगाधर तिलक ➔ माँटेंग्यू घोषणा ➔ क्रांतिकारी आंदोलन ➔ प्रथम चरण का क्रांतिकारी आंदोलन ➔ विदेशों में क्रांतिकारी आंदोलन ➔ कामागाटामारु कांड ➔ अंतरिम सरकार—दिसम्बर 1915 ➔ द्वितीय चरण का क्रांतिकारी आंदोलन ➔ काकोरी षडयंत्र केस ➔ चटगाँव रिपब्लिकन आर्मी ➔ माइकल ओ डायर हत्याकांड (1940 ई.) ➔ कांग्रेस आंदोलन का तीसरा चरण (1919-1947 ई.) ➔ गाँधी युग (1919-47 ई.) ➔ महात्मा गांधी की प्रमुख उपाधियाँ ➔ महात्मा गाँधी — पुस्तकें

व पत्र ➔ महात्मा गाँधी से सम्बन्धित विशिष्ट तथ्य ➔ गांधीजी के भारत में सत्याग्रह सम्बन्धी प्रयोग ➔ रौलेट एक्ट, (जालियांवाला बाग नरसंहार) ➔ तहकीकात कमेटी ➔ **हण्टर कमेटी** ➔ खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन ➔ चौरी-चौरा काण्ड ➔ स्वराज दल ➔ गांधी दास पैक्ट ➔ असहयोग आन्दोलन ➔ झण्डा सत्याग्रह, 1923 ➔ बटलर समिति, 1927 ➔ साइमन कमीशन ➔ साइमन कमीशन के सदस्य ➔ सर्वदलीय सम्मेलन एवं नेहरू रिपोर्ट (1928 ई.) ➔ अखिल भारतीय राज्यप्रजा मण्डल, 1927 ➔ आल इण्डिया इन्डिपेंडेंस लीग ➔ नेहरू कमेटी के सदस्य ➔ ट्रेड यूनियन ➔ कारखाना अधिनियम ➔ सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930 ई.) ➔ प्रथम गोलमेज सम्मेलन में दल व उनके प्रतिनिधि ➔ गाँधी-इर्विन पैक्ट (1931 ई.) ➔ कांग्रेस का कराची अधिवेशन (1931) ➔ द्वितीय गोलमेज सम्मेलन (1931 ई.) ➔ साम्प्रदायिक पंचाट (कम्युनल अवार्ड) 1932 ई. ➔ पूना पैक्ट (26 सितम्बर, 1932) ➔ कांग्रेस समाजवादी पार्टी ➔ 1937 का प्रान्तीय चुनाव ➔ अगस्त प्रस्ताव 1940 ➔ व्यक्तिगत सत्याग्रह (1940-41 ई.) ➔ क्रिप्स प्रस्ताव (1942 ई.) ➔ तृतीय गोलमेज सम्मेलन ➔ भारत छोड़ो आंदोलन (1942 ई.) ➔ भारत छोड़ो आन्दोलन के समय बनी समानान्तर सरकारें ➔ भारत छोड़ो आन्दोलन से अलग रहने वाले दल ➔ सी.आर. फार्मूला (1944 ई.) ➔ आजाद हिन्द फौज ➔ सुभाष चन्द्र बोस ➔ प्रमुख नारे ➔ स्वतंत्रता आन्दोलन के समय लिखी गई महत्वपूर्ण पुस्तकें व उनके लेखक ➔ स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तियों के उपनाम ➔ नौ सैनिक विद्रोह (1946 ई.) ➔ वेबेल योजना (1945 ई.) ➔ ब्रिटेन में आम चुनाव ➔ कैबिनेट मिशन योजना (1946 ई.) ➔ अंतरिम सरकार का गठन ➔ अंतरिम सरकार के सदस्य ➔ एटली की घोषणा (20 फरवरी, 1947 ई.) ➔ माउण्टबेटेन योजना (3 जून, 1947 ई.) ➔ भारत स्वतंत्रता अधिनियम (1947 ई.)

नेहरू युग - 1947-1964 ई.-

➔ जवाहर लाल नेहरू का जीवन परिचय ➔ नेहरू का दार्शनिक स्वरूप ➔ नेहरू के समाजवादी विचार ➔ देशी रियासतों का विलय ➔ नेहरू की विदेश नीति ➔ भारत-चीन संबंध ➔ बाण्डुंग सम्मेलन ➔ भारत एवं चीन के बीच कटुता ➔ भारत-चीन सीमा विवाद ➔ भारत-चीन युद्ध 1962 ➔ कोलम्बों प्रस्ताव ➔ भारत-पाकिस्तान संबंध ➔ भारत-नेपाल संबंध ➔ भारत-भूटान संबंध ➔ भारत-बर्मा संबंध ➔ भारत-श्रीलंका संबंध ➔ नेहरू युगीन आर्थिक ढांचा ➔ भारत के ऐतिहासिक युद्ध ➔ आधुनिक शब्दावली ➔ आधुनिक भारत में संस्थाएं व सस्थापक ➔ आधुनिक गवर्नर एवं गवर्नर जनरल ➔ गवर्नर जनरलों एवं वायसरायों द्वारा किए गए प्रमुख कार्य

संक्षिप्त विश्व इतिहास-

➔ विश्व इतिहास का कालक्रम ➔ विश्व की प्राचीन सभ्यताएं ➔ विश्व के प्रमुख आंदोलन एवं महान क्रांतियां

■ भारतीय कला एवं संस्कृति 165-221

● भारतीय भाषाएं एवं साहित्य ● प्रमुख लिपियां ● भारतीय धर्म एवं दर्शन ● भारत के प्रमुख पर्व एवं त्योहार ● भारत के मुख्य मेले ● भारत के प्रमुख महोत्सव ● भारतीय चित्रकला ● भारतीय स्थापत्य एवं वास्तुकला ● भारत के प्रमुख मंदिर, मस्जिद एवं गुरुद्वारे ● भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थल ● भारत के सांस्कृतिक स्थल ● भारत की प्रमुख सांस्कृतिक संस्थाएं ● भारतीय मूर्तिकला ● भारत की प्रमुख लोक व हस्तशिल्प कलाएं ● भारतीय संगीत ● भारतीय नृत्यकला ● युद्ध कला और परंपरागत खेल ● भारतीय रंगमंच ● भारतीय सिनेमा ● भारतीय पुनर्जागरण ● भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रमुख उन्नायक ● राम मंदिर ● आदि शंकराचार्य ● अबूधाबी में पहला हिंदू मंदिर ● नया संसद भवन : सेंगोल और संविधान सदन ● जी-20 और कोणार्क चक्र

■ भारत एवं विश्व का भूगोल 222-309

● **भूगोल का सामान्य परिचय** ● **ब्रह्माण्ड** ● **हमारा सौरमण्डल** ● **भारत का भूगोल–** ● भारत : अवस्थिति एवं विस्तार ● भारत की भूगर्भिक संरचना ● भारत का भौतिक विभाजन ● भाारत के अपवाह तंत्र ● भारत की जलवायु ● मृदा ● भारत में कृषि और सिंचाई ● कृषि क्षेत्र में नई टेक्नोलॉजी का प्रवेश ● भारत में पशुधन (पशु संसाधन) ● भारत की प्राकृतिक वनस्पतियां, वन एवं राष्ट्रीय उद्यान ● भारत में खनिज संसाधन ● भारत के ऊर्जा संसाधन ● भारत में उद्योग ● भारत में परिवहन ● भारत में जनजातियां ● भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम ● भारत का पहला आर्कटिक अनुसंधान स्टेशन : हिमाद्री ● **विश्व का भूगोल**—1. एशिया 2. यूरोप 3. अफ्रीका 4. उत्तरी अमेरिका 5. दक्षिणी अमेरिका 6. आस्ट्रेलिया और ओशेनिया 7. अंटार्कटिका ● विश्व के मुख्य महासागर व सागर ● विश्व के प्रमुख पर्वत शिखर ● विश्व के प्रमुख द्वीप ● विश्व के मुख्य पठार ● विश्व की प्रमुख नदियां/नदी तंत्र ● विश्व की मुख्य झीलें ● विश्व के मुख्य जल प्रपात ● विश्व की प्रमुख नहरें ● विश्व की मुख्य खाड़ियां ● विश्व के प्रमुख रेगिस्तान (मरुस्थल) ● विश्व के मुख्य ज्वालामुखी पर्वत ● विश्व के मुख्य देश और उनकी संसदें ● विश्व के प्रमुख अखबार ● विश्व के प्रमुख देश और उनके राष्ट्रीय चिह्न ● विश्व की प्रमुख समाचार एजेंसियां ● नदियों के किनारे स्थित विश्व के प्रमुख शहर ● विश्व की मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखाएं ● विश्व की प्रमुख फसलें और उनका उत्पादन करने वाले देश ● विश्व के सर्वाधिक खनिज उत्पादक देश ● विश्व के सर्वाधिक खनिज भंडार वाले देश ● विश्व के प्रमुख औद्योगिक देश और उनके मुख्य उद्योग ● विश्व के देशों के बदले हुए नाम (महाद्वीपों के क्रम में) ● भौगोलिक उपनाम ● विश्व के छोटे देश एवं उनकी राजधानियां आरोही क्रम में ● विश्व के कुछ देश और उनके राष्ट्रीय स्मारक ● विश्व के आश्चर्य ● विश्व में प्रथम ● विश्व में सबसे बड़ा-सबसे छोटा ● विश्व की सबसे ऊंची इमारतें ● प्रमुख देशों के सरकारी दस्तावेज ● प्रमुख चिह्न तथा प्रतीक ● विश्व के प्रसिद्ध स्थान ● राष्ट्राध्यक्षों/शासनाध्यक्षों के आधिकारिक निवास स्थान ● लोकप्रिय उपनाम (व्यक्ति/महिलाएं) ● विश्व की प्रमुख जनजातियां ● विश्व के सबसे बड़े देश ● विश्व की महत्त्वपूर्ण भौगोलिक खोजें

■ भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था 310-424

● स्मरणीय तथ्य ● भारत का संवैधानिक इतिहास ● उद्देशिका ● संघ और राज्य क्षेत्र ● नागरिकता ● मूल अधिकार ● राज्य की नीति के निदेशक तत्व ● मूल कर्त्तव्य ● संघीय कार्यपालिका ● संघीय विधानमंडल (संसद) ● न्यायपालिका ● राज्य की कार्यपालिका ● राज्यों का विधानमंडल ● संघ राज्य क्षेत्र (संघ शासित क्षेत्र) ● संघ राज्य संबंध ● स्थानीय स्वशासन/सहकारी समितियाँ ● संघ व राज्यों के अधीन सेवाएं ● निर्वाचन ● कुछ वर्गों से संबंधित विशेष उपबंध ● राजभाषा ● आपात उपबंध ● जम्मू-कश्मीर ● प्रकीर्ण, अस्थायी और विशेष उपबंध ● संविधान संशोधन ● परिशिष्ट - 1. भारतीय संविधान के प्रमुख भाग ● परिशिष्ट - 2. अनुसूचियाँ ● परिशिष्ट - 3. संविधान के प्रमुख अनुच्छेद व उनके विषय (संक्षिप्त बेयर एक्ट) ● सारणी ● संविधान व राजव्यवस्था संबंधी शब्दावलियाँ

अन्य सामग्री

➔ महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र ➔ संविधान सभा का गठन ➔ संविधान निर्मात्री समितियां और उनके अध्यक्ष ➔ प्रारूप समिति के सदस्य ➔ संविधान सभा के वाचन ➔ स्वतंत्र भारत का प्रथम मंत्रिमंडल ➔ संविधान के स्रोत ➔ भारतीय संविधान : किसने क्या कहा ➔ भारत के राज्य तथा संघ शासित प्रदेश राज्य ➔ संघ शासित क्षेत्र ➔ नए राज्यों का गठन वर्ष ➔ मैग्नाकार्टा ➔ सभी व्यक्तियों (विदेशियों को भी) प्राप्त मूल अधिकार ➔ मूल अधिकार ➔ सामान्य कानूनी अधिकार ➔ पिछड़ा वर्ग ➔ निवारक निरोध ➔ बालकों से संबंधित मौलिक अधिकार ➔ मूल अधिकार : एक दृष्टि में ➔ भाग 4क अनुच्छेद 51क - मूल कर्त्तव्य ➔ एकल संक्रमणीय मत पद्धति ➔ राष्ट्रपति का वेतन और पेंशन ➔ विधेयकों पर वीटो के प्रकार ➔ स्वतन्त्र भारत की प्रथम मंत्रिपरिषद् (1950-52) ➔ संसद का अस्तित्व ➔ चौथी अनुसूची के अनुसार राज्यसभा में स्थानों का आवंटन ➔ लोकसभा की संरचना ➔ लोकसभा में निर्वाचित सदस्यों का विवरण राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश ➔ लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व साल-दर-साल ➔ लोकसभा व राज्यसभा में अंतर ➔ सदन का स्थगन, सत्रावसान और विघटन ➔ संसद की समितियाँ ➔ सामान्य विधेयक और धन विधेयक में अंतर ➔ धन विधेयक और वित्त विधेयक में अंतर ➔ उच्च न्यायालयों के नाम, स्थापना वर्ष, अधिकार क्षेत्र, पीठ और खंडपीठ ➔ राज्यों की विधानसभाओं में निर्वाचित सदस्यों की संख्या ➔ राज्यों की विधान परिषदों की सदस्य संख्या ➔ संविधान में संघ व राज्यों में समस्थानी विधायी व वित्तीय उपबंध ➔ संघ सूची में वर्णित प्रमुख विषय ➔ राज्य सूची के प्रमुख विषय ➔ समवर्ती सूची के प्रमुख विषय ➔ संघीय कर ➔ राज्यों के कर ➔ स्थानीय संस्थाओं द्वारा कर ➔ पंचायती राज व्यवस्था पर गठित समितियाँ ➔ भारत में चुनाव सुधार से संबंधित समितियाँ ➔ आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भारतीय भाषाएं ➔ राष्ट्रपति पर महाभियोग का प्रस्ताव ➔ संविधान का मूलभूत ढांचा ➔ भारतीय संविधान में किये गये महत्वपूर्ण संशोधन ➔ प्रमुख राष्ट्रीय आयोग

■ भारतीय अर्थव्यवस्था 425-502

✸ भारतीय अर्थव्यवस्था : स्वरूप, लक्षण एवं प्रकार ✸ भारत में राष्ट्रीय आय के अनुमान ✸ जीएसटी ✸ मानव विकास ✸ गरीबी ✸ बेरोजगारी ✸ समावेशी विकास ✸ मुद्रास्फीति ✸ मुद्रा एवं बैंकिंग ✸ भारत की राजकोषीय नीति ✸ पूंजी बाजार ✸ भारत में बजटीय प्रक्रिया ✸ अंतर्राष्ट्रीय एवं अन्तर-प्रांतीय व्यापार ✸ भारतीय कृषि और उद्योग ✸ भारत में आयोजना ✸ नीति (NITI) आयोग की स्थापना ✸ साख मान ✸ राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन ✸ महत्त्वपूर्ण आर्थिक शब्दावलियाँ एवं अवधारणाएं ✸ अर्थशास्त्र के महत्त्वपूर्ण वाद, नियम और सिद्धांत ✸ महत्त्वपूर्ण समितियां/आयोग ✸ राष्ट्रीय महत्त्व की योजनाएं/पहल/अभियान ✸ एनडीए सरकार (मोदी सरकार) द्वारा प्रारंभ की गई योजनाएं ✸ डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ता भारत ✸ स्टार्टअप्स ✸ यूनिकॉर्न

अन्य सामग्री

➔ विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्था में अन्तर ➔ राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ➔ प्रति व्यक्ति आय ➔ राष्ट्रीय आय संबंधित शब्दावलियां ➔ भारत की राष्ट्रीय आय में क्षेत्रवार योगदान ➔ अर्थव्यवस्था को मापने के लिए जीडीपी पैमाना ➔ मानव विकास सूचकांक में भारत की स्थिति ➔ आर्थिक बाधाएं ➔ भारत में प्रतिभूति-मुद्रण तथा सिक्कों का उत्पादन ➔ ए.टी.एम. एवं व्हाइट लेबल ए.टी.एम. ➔ आरबीआई के मौद्रिक अस्त्र तथा उनके प्रभाव ➔ बैंकिंग शब्दावलियां ➔ यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस ➔ भुगतान बैंक एवं लघु वित्त बैंक : एक तुलना ➔ भारतीय कर ढाँचा ➔ अब तक के वित्त आयोग ➔ विश्व शेयर सूचकांक ➔ बजट नियंत्रण ➔ बजट शब्दावली ➔ निर्यात विकास केन्द्र ➔ कृषिगत उपजों के अधिकतम उत्पादन वाले राज्य ➔ विभिन्न प्रकार की खेती के नाम ➔ कृषि क्रांतियां ➔ केन्द्रीय योजनाएं ➔ विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि क्षेत्र में परिव्यय एवं वृद्धि दर ➔ 8वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 ➔ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों की नई परिभाषा ➔ नवरत्न कंपनियाँ ➔ महारत्न कंपनियाँ ➔ सागरमाला-राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना ➔ 'स्टैंड अप इंडिया' अभियान ➔ 'स्टार्टअप इंडिया' अभियान ➔ योजना आयोग ➔ कोलंबो योजना ➔ भारत में नियोजन : संवैधानिक परिप्रेक्ष्य ➔ विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के विकास दर लक्ष्य एवं उपलब्धियां ➔ योजना आयोग एवं नीति आयोग : एक तुलना ➔ साख मान

■ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 503-682

भौतिक विज्ञान- ✸ परिभाषा ✸ मापन- भौतिक राशियां ✸ यान्त्रिकी (गति; बल; भार; घूर्णन गति; घर्षण; जड़त्व; आवर्ती गति; पृष्ठ तनाव; श्यानता; केशिकत्व; प्रत्यास्थता; दाब; ऊर्जा गुरुत्व, पलायन वेग, मशीन, कार्य, प्लवन, बल आघूर्ण ✸ प्रकाश ✸ तरंग ✸ ऊष्मा ✸ विद्युत ✸ चुम्बकत्व ✸ आधुनिक भौतिकी

रसायन विज्ञान- ✸ परिभाषा ✸ भौतिक रसायन ✸ परमाणविक संरचना ✸ अम्ल, क्षार एवं लवण ✸ P[H] Value ✸ रेडियो धर्मिता ✸ तिथि निर्धारण ✸ धातुएं एवं अधातुएं ✸ आवर्त सारणी ✸ रासायनिक

बंधन ✸ रासायनिक अभिक्रियाएं ✸ कुछ महत्त्वपूर्ण यौगिक एवं उनके उपयोग ✸ ईंधन ✸ हैलोजन ✸ अक्रिय गैस ✸ व्यावहारिक रसायन

जीव-विज्ञान (जन्तुविज्ञान)- ✸ परिभाषा, शाखाएं ✸ पोषण ✸ पाचन ✸ पोषक तत्व ✸ जन्तु ऊतक ✸ जन्तु कार्यिकी- हृदय एवं परिसंचरण तंत्र ✸ रक्त ✸ रक्त समूह ✸ लसिका ✸ फेफड़े एवं श्वसन तंत्र ✸ वृक्क एवं उत्सर्जन तंत्र ✸ ग्रंन्थि ✸ एन्जाइम ✸ प्रजनन तंत्र ✸ तंत्रिका तंत्र ✸ मानव संवेदना ✸ प्रचलन ✸ विभिन्न रोग एवं लक्षण (प्रोटोजोआ, विषाणु, जीवाणु, हेल्मिनथीज, कवक, एड्स, कैंसर,) ✸ चिकित्सकीय उपकरण ✸ जंतु एवं उसके वैज्ञानिक नाम

(वनस्पति विज्ञान)- ✸ कोशिका ✸ कोशिकांग ✸ गुणसूत्र ✸ जीन ✸ डीएनए एवं आरएनए (DNA-RNA) ✸ प्रोटीन संश्लेषण ✸ कोशिका विभाजन ✸ आनुवंशिकता ✸ लिंग निर्धारण ✸ हीमोफिलिया ✸ वर्णान्धता ✸ विकास ✸ पौधों की आकारिकी- जड़, तना, पत्ते, फूल, फल ✸ पादप ऊतक ✸ पादप कार्यिकी : प्रकाश संश्लेषण, श्वसन, वाष्पोत्सर्जन, जनन, पादप हार्मोन, खनिज ✸ आर्थिक पादप विज्ञान से संबंधित महत्त्वपूर्ण तथ्य ✸ जीवधारियों का वर्गीकरण, पादप रोग (विषाणु, जीवाणु, कवक), कुछ पौधे एवं उनके वनस्पतिक नाम, कुछ मछलियां एवं उनके प्रचलित नाम, जीवधारियों के संबंध में कुछ स्मरणीय तथ्य ✸ विज्ञान से संबंधित संस्थान

■ कम्प्यूटर ज्ञान : अध्ययन सामग्री 683-705

✸ कम्प्यूटर - एक परिचय ✸ कम्प्यूटर का उद्‌भव और विकास ✸ कम्प्यूटर की कार्यपद्धति ✸ पर्सनल कम्प्यूटर के मुख्य घटक ✸ इनपुट और आउटपुट डिवाइस ✸ मेमोरी ✸ संख्या पद्धति ✸ साफ्टवेयर ✸ फ्लोचार्ट और कम्प्यूटर भाषाएँ ✸ डाटा तथा डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम ✸ कम्प्यूटर नेटवर्क ✸ इंटरनेट ✸ नेटवर्क तथा डाटा सुरक्षा ✸ इंटरनेट के उपयोग ✸ मल्टीमीडिया ✸ माइक्रोसॉफ्ट विण्डोज ✸ माइक्रोसाफ्ट ऑफिस/माइक्रोसाफ्ट वर्ड ✸ माइक्रोसाफ्ट एक्सेल

■ विविध सामान्य ज्ञान 706-788

✸ भारतीय संघ के राज्य एवं संघ शासित प्रदेश ✸ भारत के राष्ट्रीय प्रतीक (राष्ट्रीय स्मारक) ✸ राजकीय प्रतीक ✸ बाघ परियोजना ✸ विश्व नेटवर्क पर मान्यता ✸ भारत के जैवमंडल रिजर्व ✸ रामसर स्थलों की राज्यवार सूची ✸ भारत के विश्व धरोहर स्थल ✸ चर्चित उपनाम ✸ स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख व्यक्तियों के उपनाम ✸ प्रमुख व्यक्तियों से संबंधित स्थल ✸ महान कार्यों से संबंधित व्यक्ति ✸ समाधि स्थल ✸ राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन संबंधी प्रमुख वचन/नारे ✸ भारत के कुछ स्थानों के भौगोलिक उपनाम ✸ विश्व के प्रमुख देशों की समाचार एजेंसियां ✸ भारतीय समाचार एजेंसियां ✸ नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर ✸ भारत एवं विश्व में प्रथम ✸ विश्व की प्रमुख गुप्तचर संस्थाएं ✸ विभिन्न देशों के राजनीतिक दल ✸ विश्व की अंतर्राष्ट्रीय विमान सेवाएं ✸ सबसे कम कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री ✸ संयुक्त राष्ट्र संघ ✸ महत्त्वपूर्ण संगठन/संस्थान ✸ भारत के प्रमुख संस्थान ✸ आयोजन (दिवस, सप्ताह, वर्ष, दशक) ✸ **पुस्तकें** ✸ **पुरस्कार/सम्मान** ✸ **खेल**

■ भारत : जनसंख्या एवं नगरीकरण 789-792

अद्यतन सामान्य ज्ञान

(Letest General Knowledge)

● स्वतंत्रता संग्राम की अनसुनी महिला नायिकाएं ● चर्चित ट्रेन एवं रेल योजनाएं ● जनजातीय गौरव दिवस ● स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आदिवासी नायक/नायिकाएं ● चर्चित प्रतिमाएं ● भारत के बंदरगाह ● निर्मित/निर्माणाधीन सुरंगे एवं पुल अद्यतन ● भारत की जल विद्युत परियोजनाएँ

स्वतंत्रता संग्राम की अनसुनी महिला नायिकाएं

जनवरी, 2022 में अमर चित्रकथा के साथ साझेदारी में, केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की महिला अनसंग हीरोज ऑफ फ्रीडम स्ट्रगल पर एक सचित्र पुस्तक का विमोचन किया गया। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी प्रमुख अनसुनी महिला नायक निम्नलिखित हैं। जिन्हें जनवरी, 2022 में भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की मान्यता प्रदान की गई।

- **रानी अबक्का** : वह उल्लाल की रानी थीं, कर्नाटक ने 16वीं शताब्दी में शक्तिशाली पुर्तगालियों से लड़ा और हराया।
- **वेलु नचियार** : वह शिवगंगा की रानी और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी थीं।
- **झलकारी बाई** : वह एक महिला सैनिक थीं, जो झांसी की रानी के प्रमुख सलाहकारों में से एक थीं और भारतीय स्वतंत्रता के पहले युद्ध 1857 में भाग लिया।
- **मातंगिनी हाजरा** : वह बंगाल की एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी थीं जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।
- **गुलाब कौर** : वह एक स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ भारतीय लोगों के लिए लड़ने और उन्हें संगठित करने के लिए विदेश में जीवन की अपनी आशाओं और सपनों को त्याग दिया।
- **चकली इलम्मा** : वह एक क्रांतिकारी महिला थीं, जिन्होंने 1940 के दशक के मध्य में तेलंगाना विद्रोह के दौरान जमींदारों के अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
- **पद्मजा नायडू** : वह सरोजिनी नायडू की बेटी और अपने आप में एक स्वतंत्रता सेनानी, जो स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल की राज्यपाल बनीं।
- **बिश्नी देवी शाह** : उन्होंने उत्तराखंड में बड़ी संख्या में लोगों को स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।
- **सुभद्रा कुमारी चौहान** : हिंदी की महान कवियों में से एक थीं, जो स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति भी थीं।
- **दुर्गावती देवी** : उन्होंने जॉन सॉन्डर्स की हत्या के बाद भगत सिंह को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया और उनके क्रांतिकारी दिनों के दौरान उनकी मदद की।
- **सुचेता कृपलानी** : वह एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थीं। स्वतंत्र भारत की उत्तर प्रदेश सरकार की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं।
- **अक्कम्मा चेरियन** : वह केरल के त्रावणकोर में स्वतंत्रता आंदोलन की एक प्रेरणादायक नेता थीं। उन्हें महात्मा गांधी द्वारा 'त्रावणकोर की झांसी की रानी' नाम दिया गया था।
- **अरुणा आसफ अली** : 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई में भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए याद किया जाता है।
- **दुर्गाबाई देशमुख** : आंध्र प्रदेश में महिलाओं की मुक्ति के लिए एक अथक प्रयास करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता तथा इसके साथ ही वह एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और संविधान सभा की सदस्य भी थीं।
- **रानी गैदिनल्यू** : नागा आध्यात्मिक और राजनीतिक नेता रानी गैदिनल्यू ने मणिपुर, नागालैंड और असम में अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया।
- **ऊषा मेहता** : बहुत कम उम्र की एक स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान एक भूमिगत रेडियो स्टेशन का आयोजन किया था।
- **पार्वती गिरि** : ओडिशा की सबसे प्रमुख महिला स्वतंत्रता सेनानियों में से एक। विदित हो कि पार्वती गिरि को उनके लोगों के उत्थान में उनके काम के लिए पश्चिमी ओडिशा की मदर टेरेसा कहा जाता था।
- **तारकेश्वरी सिन्हा** : भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी तारकेश्वरी सिन्हा स्वतंत्र भारत के शुरुआती दशकों में एक प्रख्यात राजनेता थीं।
- **स्नेहलता वर्मा** : वह एक स्वतंत्रता सेनानी और मेवाड़, राजस्थान में महिलाओं की शिक्षा और उत्थान के लिए अथक प्रयास करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता थीं।
- **तिलेश्वरी बरुआ** : भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान, भारत के सबसे कम उम्र उम्र के शहीदों में से एक, तिलेश्वरी बरुआ जिन्हें 12 साल की उम्र में अंग्रेजों ने गोली मार दी थी, जब उन्होंने और कुछ स्वतंत्रता सेनानियों ने एक पुलिस स्टेशन के ऊपर तिरंगा फहराने की कोशिश की थी।

वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हुए

वन्दे मातरम् वन्दे मातरम्
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्
वन्दे मातरम्।।
शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुरभाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्
वन्दे मातरम्।।

अर्थ : मां (मातृभूमि) को प्रणाम, जो जल और फलों से भरपूर, हिमालय की ठंडी हवाओं वाली, हरी-भरी फसलों वाली है। चांदनी रातों से जगमगाती, फूलों से सजी, मुस्कुराती और मीठे वचन बोलने वाली, सुख और वर देने वाली मां को नमन है।

- पहले दो पद 65 सेकेंड में गाए जाते थे किंतु केंद्र सरकार (गृह मंत्रालय) ने फरवरी, 2026 में नया प्रोटोकॉल जारी किया। अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों और आधिकारिक आयोजनों में सभी 6 पद गाना/बजाना अनिवार्य है। यह वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। अब पूरे 6 पद 3 मिनट 10 सेकंड में गए जाएंगे। (सरकार द्वारा तय समय के अनुसार)
- वन्दे मातरम को सार्वजनिक रूप से पहली बार 1896 में कलकत्ता (कोलकाता) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा गाया गया था। यह गीत 1875 में बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा लिखा गया था और 1882 में आनंदमठ उपन्यास में प्रकाशित हुआ था।

संविधान का संथाली संस्करण और 'ओल चिकी' लिपि

- 25 दिसंबर 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में संथाली भाषा में भारत के संविधान का आधिकारिक संस्करण जारी किया। यह ऐतिहासिक दस्तावेज ओल चिकी (Ol Chiki) लिपि में तैयार किया गया है। 2003 के 92वें संवैधानिक संशोधन द्वारा संथाली को 8वीं अनुसूची में शामिल किया गया था, जो झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में बोली जाती है। यह प्रकाशन ओल चिकी लिपि के शताब्दी वर्ष के साथ संयोग में किया गया है।

संथाली भाषा का इतिहास

- भाषाई गौरव और संवैधानिक मान्यता प्राप्त संथाली भारत की प्राचीनतम जीवित भाषाओं में से एक है। यह भाषा मुख्यतः झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार के जनजातीय समुदायों द्वारा बोली जाती है। यह भाषा हो और मुंडारी भाषाओं से बहुत निकटता से संबद्ध है। संथाली भाषा ऑस्ट्रो-एशियाई भाषा-परिवार में मुंडा शाखा में आती है।
- भारत, बांग्लादेश, नेपाल एवं भूटान में लगभग 76 लाख लोग संथाली भाषा बोलते हैं। भारत में ब्रिटिश शासन के दौरान संथाली भाषा रोमन लिपि में लिखी जाती थी। वर्तमान में संथाली भाषा देवनागरी लिपि का उपयोग करके लिखी जाती है।

ओल चिकी लिपि का शताब्दी वर्ष

- ऑल चिकी लिपि (Ol Chiki Script) संथाली भाषा लिखने में प्रयुक्त होती है। इसको ओल चेमेट (Ol Chemet), ओल सिकी (Ol Ciki), ओल (Ol) या संथाली वर्णमाला भी कहते हैं।
- इसका आविष्कार पंडित रघुनाथ मुर्मू ने वर्ष 1925 में किया था। यह लिपि बाएँ से दाएँ लिखी गई है और इसके दो रूप 'चपा' एवं 'उसरा' हैं।
- यह संथाली के लिए आधिकारिक लेखन प्रणाली है। इसमें 30 अक्षर हैं जिनके रूपों का उद्देश्य प्राकृतिक आकृतियों को उद्घाटित करना है।

चर्चित ट्रेन एवं रेल योजनाएं

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना

- अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना
- दूरी : 508 किमी.
- मुंबई (महाराष्ट्र) से अहमदाबाद (गुजरात) तक
- परियोजना की लागत : 549 करोड़ रुपए
- निर्माणकारी संस्थान : जापान रेलवे ट्रैक कंसल्टेंट कंपनी लिमिटेड और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉपोरेरिशन लिमिटेड
- कुल स्टेशन : 12
- परियोजना का उद्घाटन : वर्ष 2017
- पहली बुलेट ट्रेन का पहला स्टेशन : सूरत (गुजरात)

रीजनल ट्रांजिट रैपिड रेल

- भारत में 'रीजनल ट्रांजिट रैपिड रेल का कार्य प्रगति पर है जो दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-अलवर और दिल्ली-पानीपत के बीच चलेंगी। विदित हो कि रैपिड रेल हाईस्पीड रेल होती है जिसमें हवा के दबाव को कम करने के लिए ट्रेन के आगे के भाग को एयरोडायनमिक बनाया जाता है। इसके अलावा इसमें दरवाजे हवाई जहाज की तरह प्लगइन होते हैं जिससे दरवाजा बंद होने के बाद हवा बाहर से अंदर नहीं जा पाती है।

लाइट रैपिड रेल (मेट्रोलाइट)

- इसे अपग्रेडेड ट्राम और डाउन ग्रेडेड मेट्रो कहा जा सकता है। इसे भारत में कम राइडरशिपर वाले शहरों को मेट्रो सिस्टम वाले शहरों से जोड़ा जा रहा है। यह प्रणाली केवल जमीन पर बनाई जाएगी और इसमें रेलवे ट्रैक होंगे जो बाड़ या दीवार से अलग होंगे।

भारत गौरव ट्रेन

(Bharat Gaurav Train)

- 23 नवंबर, 2021 को केंद्रीय रेल मंत्रालय ने भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए '<u>भारत गौरव ट्रेन</u>' की शुरुआत की। इस योजना के तहत निजी टूर ऑपरेटर रेलवे से लीज पर ट्रेनें ले सकते हैं और इस ट्रेन को अपनी पसंद की किसी भी सर्किट पर चला सकते हैं।
- इस ट्रेन की बुकिंग कराने वाली संस्था अपनी इच्छानुसार डिजाइन (साज-सज्जा) करा सकती है। वह ट्रेन के बाहर व भीतर दोनों ओर विज्ञापन और ब्रांडिग लगा सकते हैं।
- उल्लेखनीय है कि सेवा प्रदाता सिख संस्कृति के महत्त्वपूर्ण स्थानों को कवर करने के लिए 'गुरुकृपा ट्रेन' भगवान श्रीराम से जुड़े स्थानों के लिए 'रामायण ट्रेन' आदि जैसी विषयवस्तु तय करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
- भारत गौरव ट्रेन का संचालन निजी क्षेत्र और आईआरसीटीसी दोनों कर सकते हैं।
- ये ट्रेनें भारत की संस्कृति और धरोहर को दर्शाएंगी।
- विषय (Theam) आधारित ट्रेनों के लिए 190 ट्रेनों को चिह्नित किया गया है।

रामायण सर्किट

- यह ट्रेन यात्रियों को भगवान राम से जुड़े सभी धार्मिक स्थलों के दर्शन कराती है। जिसका पहला पड़ाव अयोध्या और अंतिम पड़ाव रामेश्वरम है।
- रामायण सर्किट भारत के 10 राज्यों के 15 प्रमुख तीर्थस्थलों {1. अयोध्या, शृंगवेरपुर और चित्रकूट (उत्तर प्रदेश) 2. सीतामढ़ी, बक्सर और दरभंगा (बिहार) 3. चित्रकूट (मध्य प्रदेश) 4. जगदलपुर (छतीसगढ़) 5. नंदीग्राम (पश्चिम बंगाल) 6. महेंद्रगिरी (ओडिशा) 7. भद्राचलम (तेलंगाना) 8. रामेश्वरम (तमिलनाडु) 9. हम्पी (कर्नाटक) 10. नासिक और नागपुर (महाराष्ट्र)}और नेपाल के जनकपुर का दर्शन कराती है।

ऑक्सीजन एक्सप्रेस

- कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर के बीच ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 30 हजार मीट्रिक टन से अधिक लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) पहुंचाया गया। जून,2021 में रेल मंत्रालय के अनुसार भारतीय रेलवे ने 1734 से अधिक टैंकरों में करीब 20,182 मीट्रिक टन एलएमओ देश के विभिन्न राज्यों में पहुंचाया। जून, 2021 तक कुल 421 ऑक्सीजन एक्सप्रेस अपना सफर पूरा कर चुकी हैं। विदित हो कि भारत की पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस विशाखापत्तनम से नागपुर के बीच चली थी।

निजी ट्रेनें

- तेजस एक्सप्रेस : अहमदाबाद से मुंबई (प्रथम)
- तेजस एक्सप्रेस : नई दिल्ली से लखनऊ (द्वितीय)
- काशी महाकाल एक्सप्रेस : वाराणसी से इंदौर (तृतीय)

नोट :

- ➔ विदित हो कि भारत सरकार वित्त वर्ष 2023 में 12 प्राइवेट ट्रेनों के पहले सेट का परिचालन शुरू करने की योजना बना रही है तथा वित्त वर्ष 2027 तक कुल 151 निजी ट्रेनें चलाने की योजना है।
- ➔ उल्लेखनीय है कि रेलवे की यह योजना पीपीपी मॉडल पर 5% ट्रेनों की निजीकरण करने की है।
- ➔ निजीकरण के लिए अभी तक रेलवे ने 109 रूटों का चयन किया है।

लक्ष्य—

- ➔ वित्त वर्ष 2022-23 में 12 निजी ट्रेनें
- ➔ वित्त वर्ष 2023-24 में 45 निजी ट्रेनें
- ➔ वित्त वर्ष 2025-26 में 50 निजी ट्रेनें
- ➔ वित्त वर्ष 2026-27 में 44 निजी ट्रेनें

निजीकरण के फायदे

रेलवे का क्रमबद्ध तरीके से निजीकरण किया जा रहा है, जिससे सरकार का भार कम होगा तथा भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। इससे सरकार यहां से अपना ध्यान हटाकर और किसी क्षेत्र में अधिक विकास के बारे में सोच सकेगी। रेलवे के निजीकरण के कुछ प्रमुख फायदे निम्नलिखित हैं—

- ➔ यात्रा के समय को कम करना
- ➔ सुरक्षा
- ➔ यात्रियों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करना
- ➔ रेलवे में नई तकनीक को लाना
- ➔ मरम्मत खर्च को कम करना
- ➔ नौकरियों को बढ़ावा देना

किसान रेल योजना

- आयोजन तिथि : 7 अगस्त, 2021
- महाराष्ट्र के देवलाली से बिहार के दानापुर तक
- दूरी : 1519 किमी.
- उद्देश्य : सब्जी, फल आदि के आवागमन में किसानों को राहत देने के लिए।

सिल्वरलाइन परियोजना (केरल)

- आयोजन : जून, 2021
- कासरगोड़ (केरल) को तिरुअनंतपुरम (केरल) से
- पूरा करने का लक्ष्य : वर्ष 2025
- प्रकृति : सेमी. हाई स्पीड रेलवे प्रोजेक्ट

ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर

- यह कॉरिडोर लुधियाना (पंजाब) से दानकुनी (पश्चिम बंगाल) तक विस्तारित होगा। विदित हो कि लुधियाना से सोननगर की लंबाई 1318 किमी. तथा सोननगर से दानकुनी की लंबाई 538 किमी. है। यह कॉरिडोर पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और प. बंगाल को जोड़ता है।

वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर

- यह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल (महाराष्ट्र) से उत्तर प्रदेश के दादरी तक विस्तारित होगा जिसकी लंबाई 1504 किमी. होगी। यह हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश को जोड़ता है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के बारे में

यह उच्च गति और उच्च तकनीकी क्षमता से लैस बनाया गया विश्व स्तरीय रेलमार्ग होता है, जिसे विशेषतौर पर माल व वस्तुओं के परिवहन के लिए बनाया जाता है। जिससे लागत में कमी आती है, व्यापार में सुगमता आती है तथा माल सुगमता पूर्वक कम समय में अपने गन्तव्य पर पहुंच जाता है।

भारत में संचालित मेट्रो परियोजनाएं

परियोजना	कुल दूरी	प्रारंभ
पुणे मेट्रो	33 किमी.	6 मार्च, 2022
कोच्चि मेट्रो	25 किमी.	19 जून, 2017
हैदराबाद मेट्रो	67 किमी.	29 नवंबर, 2017
लखनऊ मेट्रो	22.90 किमी.	6 सितंबर, 2016
चेन्नई मेट्रो	54.1 किमी.	29 जून, 2015
जयपुर मेट्रो	11.98 किमी.	3 जून, 2015
मुंबई मेट्रो	11.40 किमी.	8 जून, 2014
बंगलुरू मेट्रो	48.1 किमी.	20 अक्टूबर, 2011
दिल्ली मेट्रो	389 किमी.	24 दिसंबर, 2002
कोलकाता मेट्रो	39.25 किमी.	24 अक्टूबर, 1984 (भारत में सबसे पुरानी)

उत्तर प्रदेश में संचालित/प्रस्तावित मेट्रो

परियोजना	कुल दूरी	प्रारंभ/प्रस्तावित
कानपुर मेट्रो	33 किमी.	28 दिसंबर, 2021
नोएडा मेट्रो	29.70 किमी.	25 फरवरी, 2019
गाजियाबाद मेट्रो	—	मार्च, 2019
लखनऊ मेट्रो	22.90 किमी.	6 सितंबर, 2016
गोरखपुर मेट्रो	27.41 किमी.	प्रस्तावित
आगरा मेट्रो	30.00 किमी.	प्रस्तावित/निर्माणाधीन

भारत में निर्माणाधीन/प्रस्तावित मेट्रो

परियोजना	प्रस्तावित/निर्माणाधीन
कोलकाता	108 किमी.
बंगलुरू	72 किमी.
चेन्नई	10 किमी.
कोच्चि	7.5 किमी.
जयपुर	2.5 किमी.
मुंबई	171 किमी.
हैदराबाद	26 किमी.
नागपुर	38 किमी.
अहमदाबाद	36 किमी.
लखनऊ	14 किमी.
पुणे	54 किमी.
भोपाल	28 किमी.
इंदौर	32 किमी.

जनजातीय गौरव दिवस

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर, 2021 को भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में बहादुर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने हेतु 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मंजूरी दी है। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और राष्ट्रीय गौरव वीरता तथा आतिथ्य के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने में आदिवासियों के प्रयासों को मान्यता देने हेतु प्रतिवर्ष 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया जाएगा।

स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े आदिवासी नायक/नायिकाएं

बिरसा मुंडा

➔ बिरसा मुंडा को उनके जीवन संघर्ष के लिए भगवान का दर्जा प्राप्त है। मुंडा विद्रोह के नेतृत्वकर्ता बिरसा मुंडा का जन्म नवंबर, 1870 में हुआ था। 1 अक्टूबर, 1894 को बिरसा मुंडा के नेतृत्व में मुंडाओं ने अंग्रेजों से लगान (कर) माफी के लिए आंदोलन किया। 1895 में अंग्रेजी सैनिकों द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हजारीबाग केंद्रीय कारागार में 2 साल के कारावास की सजा दी गई। कारावास से मुक्त होने के बाद उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति का आह्वान किया जो मार्च 1900 में उनकी गिरफ्तारी तक सतत रूप से चलता रहा। कारावास में दी गई यातनाओं के कारण जून 1900 को रांची के कारावास में उनकी मृत्यु हो गई।

सीताराम कंवर

➔ सीताराम कंवर ने 1857 की क्रांति के दौरान होल्कर और बड़वानी राज्य के नर्मदा पार के क्षेत्र में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध एक बड़े विद्रोह का नेतृत्व किया। कंवर ने सतपुड़ा श्रेणी के भीलों को विदेशी शासन उखाड़ फेंकने के लिए प्रेरित किया और पेशवा तथा तात्या टोपे के साथ स्वतंत्रता की लड़ाई में अंग्रेजों का सामना किया।

भीमा नायक

➔ ब्रिटिश शासन के दौरान बड़वानी के पंचमोहली क्षेत्र में जन्में भीमा नायक ने 1857 की क्रांति के दौरान ब्रिटिश शासन को गंभीर चुनौती दी। भीमा नायक का प्रभाव पश्चिम में राजस्थान के क्षेत्रों से लेकर पूर्व में नागपुर तक फैल चुका था। 1867 में इन्हें अंग्रेजों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया और अभियोजन में दोष सिद्ध करार दे दिए जाने के पश्चात पोर्टब्लेयर भेज दिया गया जहां 29 दिसंबर, 1876 में उनकी मृत्यु हो गई।

रघुनाथ सिंह मंडलोई

➔ रघुनाथ सिंह मंडलोई टांडा बरुद के निवासी थे और वे स्थानीय भील एवं भिलाला समुदाय के प्रतिष्ठित नेतृत्वकर्ता थे। उन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध हुए एक विद्रोह का नेतृत्व किया जिसके विरोध में अंग्रेजी कंपनी की सेना ने उन्हें अक्टूबर 1858 में बीजागढ़ के किले में घेर लिया और बंदी बना लिया।

सुरेंद्र साय

➔ 23 जनवरी, 1809 में संभलपुर के निकट खिंडा में जन्म लेने वाले सुरेंद्र साय ने गोंड और बिंझल जनजातीय समुदायों के अधिकारों के लिए आवाज उठाई। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों को कड़ी चुनौती दी। 1862 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के असीरगढ़ किले में केंद करके रखा गया, जहां मई 1884 को उनकी मृत्यु हो गई।

टांट्या भील (Tantya Bhil)

➔ 1874 से अपनी गिरफ्तारी तक ब्रिटिश शासन के खजानों को लूटकर गरीब जनता में बांट देते थे। जीवन के अंतिम समय में वे गिरफ्तार कर लिए गए। ब्रिटिश शासन ने 19 अक्टूबर 1889 को मृत्युदंड दिया। उन्हें आदिवासियों द्वारा इंडियन रॉबिन हुड के नाम से जाना जाता है।

मंशु ओझा

➔ 1942 के ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में बैतूल के मंशु ओझा ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध अनेक क्रांतिकारी घटनाओं को अंजाम दिया। नवंबर 1942 में इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 20 जुलाई, 1944 तक नरसिंहपुर जेल में कैद रखकर कठोर यातनाएं दी गई। 28 अगस्त, 1981 को घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल में उनकी मृत्यु हो गई।

वीरांगना रानी दुर्गावती

➔ 5 अक्टूबर 1524 को जन्मीं रानी दुर्गावती भारत की प्रसिद्ध वीरांगना थीं। उन्होंने मध्य प्रदेश के गोंडवाना क्षेत्र में शासन किया। उनका राज्य गढ़मंडला था, जिसका केंद्र जबलपुर था। अपने पति गोंड राजा दलपत शाह की असमय मृत्यु के बाद पुत्र वीरनारायण को सिंहासन पर बैठाकर उसके संरक्षक के रूप में स्वयं शासन करना प्रारंभ किया।

मुड्डे बाई

➔ टुरिया शहीद मुड्डे बाई ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जंगल कानून भंग करने का नेतृत्व किया। सिवनी जिले के टुरिया ग्राम में जंगल सत्याग्रह के दौरान ब्रिटिश शासन के दमन के चलते 9 अक्टूबर 1930 को मुड्डेबाई शहीद हो गई तथा इनके साथ ही साथ इसी ग्राम की रैनो बाई और बिरजू भोई भी इस गोलीकांड में शहीद हुए थे।

रानी गैदिनल्यू

➔ रानी गैदिनल्यू (Rani Gaidinliu) एक नागा आध्यात्मिक एवं राजनीतिक नेता थीं। उनका जन्म 26 जनवरी 1915 को मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में जेलियांग्रांग जनजाति के रोंगमेई कबीले में हुआ था।

➔ मात्र 13 साल की उम्र में वह प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और धार्मिक नेता 'हाईपोउ जादोनांग' (Haipou Jadonang) के साथ जुड़ गईं और उनके सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक आंदोलन में उनकी लेफ्टिनेंट बन गईं।

➔ जादोनांग भी रोंगमेई कबीले के सदस्य थे और उन्होंने अपने पैतृक नागा धर्म पर आधारित 'हेराका आंदोलन' (Heraka Movement) शुरु किया था। इस आंदोलन का लक्ष्य था, क्षेत्र में दोबारा एक स्वतंत्र नागा साम्राज्य (या नागा राज्य) स्थापित करना और अंग्रेजों को अपनी मिट्टी से भगाना था।

ऊदा देवी पासी

➔ ऊदा देवी एक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं। उन्होंने 1857 के प्रथम भारतीय सवतंत्रता संग्राम के दौरान भारतीय सिपाहियों की ओर से युद्ध में भाग लिया। वह अवध के छठें नवाब वाजिद अली शाह के महिला दस्ते की सदस्य थीं। 16 नवंबर, 1857 को ब्रिटिश फौज का सामना करते हुए लखनऊ के सिकंदरा बाग में वीरगति को प्राप्त हो गईं।

फूलों और झानो मुर्मू

➔ फूलों और झानो मुर्मू झारखंड के संथाल जनजाति के मुर्मू कबीले की थी। उन्होंने 1855 में संथाल विद्रोह में भाग लिया था।

हेलेन लेप्चा (Helen Lepcha)

➔ दार्जिलिंग, सिक्किम के लेप्चा जनजाति की हेलेन लेप्चा ने आदिवासियों की जल-जंगल और जमीन छीन लेने के बाद अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश शासन के साथ लंबा संघर्ष किया।

पुतली माया तमांग

➔ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाली एक आदिवासी नेता थीं, जिन्हें 'पुतली देवी' के नाम से भी जाना जाता है।

मध्य प्रदेश आदिवासी आउटरीच कार्यक्रम

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में बड़े पैमाने पर 'आदिवासी पहुंच कार्यक्रम' (Tribal Outreach Programme) शुरू किया गया है। आदिवासी/जनजातीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे उपाय—

- अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए पारंपरिक ग्राम सभाओं के माध्यम से स्व-शासन सुनिश्चित करने हेतु 'पंचायत अधिनियम, 1996' को लागू किया जाएगा।
- आदिवासियों के प्रमुख पेय 'महुआ' को वैध बनाना। इसकी 'विरासत शराब' (Heritage Liquor) के रूप में बिक्री की जाएगी।
- सभी 89 आदिवासी प्रखंडों में सार्वजनिक वितरण के तहत वितरित खाद्यान्न की होम डिलीवरी किए जाने की भी घोषणा की गई है।
- छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम 'शंकर शाह' के नाम पर रखा जाएगा। सुमेर शाह के पुत्र शंकर शाह, गोंड शासन के तहत 'गढ़ा साम्राज्य' के अंतिम शासक थे।
- 'तांत्या भील' के नाम पर रेलवे स्टेशन, बस स्टॉप के नाम परिवर्तित किए जाएंगे तथा खंडवा में उनके नाम पर एक स्मारक का निर्माण किया जाएगा।
- मंडला में एक मेडिकल कालेज का नाम राजा 'हिरदे शाह लोधी' के नाम पर रखा जाएगा। राजा हिरदे शाह लोधी काशी से जा कर मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में बस गए थे। उनके पूर्वजों ने वर्तमान दमोह में अपना राज्य स्थापित किया था। उस समय यह क्षेत्र गोंड शासकों के अधीन था।
- भोपाल के 'हबीबगंज स्टेशन' का नाम बदलकर गोंड रानी 'रानी कमलापति' रखा गया है।
- आदिवासी कला और संस्कृति में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राजा संग्राम शाह पुरस्कार शुरू किए जाने की घोषणा की गई है। वह 'गढ़ा साम्राज्य' के 48वें गोंड शासक थे।

ट्राइब्स इंडिया कॉन्क्लेव

- अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को समृद्ध आदिवासी विरासत से परिचित कराने हेतु नई दिल्ली स्थित 'दिल्ली हाट' में 'ट्राइब्स इंडिया महोत्सव' में एक 'ट्राइब्स इंडिया कॉन्क्लेव' का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव का आयोजन 'ट्राइफेड' द्वारा केंद्रीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में भारत में 20 से अधिक विदेशी मिशनों के लगभग 100 राजनयिकों के अलावा विदेश मंत्रालय और अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। विदित हो कि यह महोत्सव वर्ष 2017 से प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।

आदिवासियों से जुड़े संग्रहालय

बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय

आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवम्बर, 2021 को रांची में 'भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय' का उद्घाटन किया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बनेगा जनजातीय संस्कृति पर आधारित संग्रहालय

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के आसपास बसे आदिवासियों की संस्कृति से पर्यटकों को परिचित कराने के लिए एक संग्रहालय की स्थापना होगी, जिसमें जनजातीय संस्कृति के विविध रंग-रूप दिखाई देंगे। टाइगर रिजर्व के ताला क्षेत्र में बनने वाले इस संग्रहालय में आदिवासियों के रहन-सहन, उनकी संस्कृति, खानपान और बसाहट का चित्रण होगा और इसके साथ एक सर्व सुविधायुक्त पुस्तकालय भी बनेगा।

रानी गैदिनल्यू आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 22 नवम्बर, 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के लुआंगकोओ गांव में 'रानी गैदिनल्यू आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय' की आधारशिला रखी। जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आदिवासी गौरव दिवस पर की गयी थी। इस संग्रहालय में, ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई के विभिन्न चरणों जैसे एंग्लो-मणिपुरी युद्ध, कुकी-विद्रोह, नागा-राज आंदोलनों में शामिल मणिपुर के जनजातीय समुदाय के स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ी वस्तुओं को संरक्षित एवं प्रदर्शित किया जाएगा।

10 राज्यों में स्थापित किये जायेंगे जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय

जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर,2021) के अवसर पर केन्द्रीय सरकार ने विदेशी औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष करने वाले जनजातियों के योगदान को मान्यता देने के लिये 'जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को समर्थन' की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत 10 राज्यों में 'जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय' स्थापित को मंजूरी दी है। वे **गुजरात के राजपिपला, झारखंड के रांची, आंध्र प्रदेश के लम्बासिंगी, छत्तीसगढ़ के रायपुर, केरल के कोझिकोड, मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, तेलंगाना के हैदराबाद, मणिपुर के तामेंगलांग, मिजोरम के केलसिह और गोवा के पोंडा** में स्थापित किये जाएंगे।

चर्चित प्रतिमाएं

ऑस्ट्रेलिया से 29 प्राचीन भारतीय धरोहरों की वापसी

- 21 मार्च, 2022 को ऑस्ट्रेलिया ने 23 प्राचीन भारतीय धरोहरों को भारत को सौंपा। इनमें भगवान शिव, भगवान विष्णु और जैन धर्म से संबंधित कलाकृतियां, सजावटी वस्तुएं और पेंटिंग्स हैं।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार ये पुरावशेष और कलाकृतियां विभिन्न समयावधि की है, जिनमें सबसे पुरानी कलाकृति नौंवी-दसवीं सदी की है।
- विदित हो कि इन पुरावशेषों को बलुआ पत्थर, संगमरमर, कांस्य और पीतल से बनाया गया है और ये ऐतिहासिक धरोहरें राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और बंगाल से संबंधित हैं।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार वर्ष 2014 से मार्च, 2022 तक 228 पुरावशेषों को विदेशों से भारत वापस लाया गया जबकि वर्ष 1976 से वर्ष 2013 तक मात्र 13 पुरावशेष वापस लाए गए।
- विभिन्न समय में विदेशों से लाए गए कुछ प्रमुख पुरावशेष निम्नलिखित हैं—

➔ **अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की प्रतिमा** : कुछ वर्ष पूर्व बिहार के गया में स्थित कुंडलपुर मंदिर से चोरी की गई अवलोकितेश्वर पद्मपाणि की प्रतिमा को फरवरी, 2022 में इटली से वापस लाया गया। यह प्रतिमा हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है।

➔ **भगवान आंजनेय्यर की प्रतिमा** : फरवरी, 2022 में तमिलनाडु के वेल्लूर से चोरी हुई 600 से 700 साल पुरानी भगवान आंजनेय्यर की प्रतिमा को ऑस्ट्रेलिया से वापस लाया गया।

➔ **बकरी के सिर वाली योगिनी की मूर्ति** : 15 जनवरी, 2022 को भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा घोषणा की गई कि उत्तर प्रदेश के बांदा के लोखरी गांव के एक मंदिर से अवैध रूप से हटाई गई 10वीं शताब्दी की 'बकरी के सिर वाली योगिनी की पत्थर की मूर्ति को लंदन से वापस भारत लाया जायेगा। विदित हो कि इस प्रतिमा का 1980 के दशक में अवैध रूप से हटाया गया था। उल्लेखनीय है कि योगिनियां 'तांत्रिक पूजा पद्धति' से जुड़ी शक्तिशाली महिला देवताओं का एक समूह है।

➔ **देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति :** नवंबर, 2021 में कनाडा से एक सदी के बाद देवी अन्नपूर्णा की मूर्ति को वापस लाया गया। जिसे वर्ष 1913 के आसपास तस्करी कर देश से बाहर ले जाया गया था। इस प्रतिमा को उसके मूल स्थान काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी में पुनः स्थापित किया जायेगा। विदित हो कि बनारस शैली में निर्मित 18वीं शताब्दी की यह मूर्ति, कनाडा के रेजिना विश्वविद्यालय में मैकेंजी ऑर्ट गैलरी में संग्रह का हिस्सा थी।

स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी

- फरवरी, 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11वीं सदी के संत रामानुजाचार्य की स्मृति में हैदराबाद में 216 फीट ऊंची 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का अनावरण किया। विदित हो कि इस मूर्ति को पांच धातुओं सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ते के संयोजन से बनाया गया है। इस प्रतिमा को 54 फीट ऊंची बेस बिल्डिंग पर लगाया गया है, जिसे 'भद्र वेदी' कहा जाता है।

आदिशंकराचार्य

- नवंबर, 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के केदारनाथ में आदिशंकराचार्य की 12 फुट की प्रतिमा का अनावरण किया। विदित हो कि उनका जन्म 11 मई, 788 ईस्वी को कोच्चि, केरल के पास कलाड़ी नामक सथान पर हुआ था। वे शिव के भक्त थे तथा 33 वर्ष की आयु में उन्होंने केदार तीर्थ में समाधि ले ली। उन्होंने अद्वैतवाद के सिद्धांत को प्रतिपादित किया और संस्कृत में वैदिक सिद्धांत (उपनिषद, ब्रह्मसूत्र और भगवतगीता) पर कई टिप्पणियां लिखी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण

- 23 जनवरी, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती पर इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया है। इस प्रतिमा का आकार 28 फीट ऊंचा और 6 फीट चौड़ा है। विदित हो कि भारत सरकार ने आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की है और नेताजी की ग्रेनाइट से बनी प्रतिमा जब तक तैयार नहीं हो जाती है तब तक उसकी जगह होलोग्राम मूर्ति उसी तरह स्थापित रहेगी।

स्टैच्यू ऑफ पीस

- 16 नवंबर, 2021 को 151 इंच ऊंची अष्ट धातु की बनी 'स्टैच्यू ऑफ पीस' (शांति प्रतिमा) को राजस्थान के पाली में स्थित विजय वल्लभ साधना केंद्र में स्थापित किया गया। विदित हो कि जैनाचार्य श्री विजय वल्लभ सुरीश्वर जी महाराज के सम्मान में लगाई गई इस प्रतिमा को 'स्टैच्यू ऑफ पीस' नाम दिया गया है। आचार्य विजय वल्लभ जैन धर्म के श्वेताम्बर सम्प्रदाय के संत थे। इनका जन्म 1870 ई. में बड़ौदा, गुजरात में हुआ था।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

- 31 अक्टूबर, 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 143वीं जयंती पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) का अनावरण किया। यह वर्तमान में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है। विदित हो कि गुजरात में बड़ोदरा के पास नर्मदा जिले में स्थित सरदार सरोवर बांध से 3.5 किमी. दूर राजपिपला के निकट साधुबेट नामक नदी द्वीप पर 182 मीटर ऊंची सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा को लगाया गया है। इस प्रतिमा की डिजाइन को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित मूर्तिकार 'राम वनजी सुतर' द्वारा तैयार किया गया था जिसे लार्सन एवं टुब्रो कंपनी द्वारा तैयार किया गया।

भारत के बंदरगाह

बंदरगाह

बंदरगाह किसी बड़े जलनिकाय से जुड़ा हुआ एक छोटा जल समूह होता है, जहाँ जलयान, बड़े-बड़े जहाज, नाव आदि आश्रय लेतें हैं। बंदरगाह जलयानों के रूकने का एक सुरक्षित स्थान होता है। चाहे यहाँ से व्यापार किया जाए या नहीं। बंदरगाह के लिए यह जरूरी नहीं होता है कि इसमें तटवर्ती सुविधाएं हों। व्यापार करने के लिए तटवर्ती सुविधाओं का विकास किया जाता है। बंदरगाह दो प्रकार के होते हैं—

1. प्राकृतिक बंदरगाह, **2.** मानव निर्मित/कृत्रिम बंदरगाह।

1. प्राकृतिक बंदरगाह : समुद्री लहरों से मुक्त प्रकृति द्वारा निर्मित वह क्षेत्र जो जहाजों, जलयानों, नावों आदि के रूकने के अनुकूल हो उसे प्राकृतिक बंदरगाह कहते हैं।

2. मानव निर्मित/कृत्रिम बंदरगाह बंदरगाह : व्यापार की सुगमता के लिए मानव द्वारा निर्मित किये बंदरगाह को मानव निर्मित या कृत्रिम बंदरगाह कहते हैं। भारत में 7517 किमी. लम्बी तट रेखा पर 13 बड़े तथा लगभग 200 छोटे व मध्यम बंदरगाह (प्राकृतिक + कृत्रिम) स्थित हैं। भारत के बड़े बंदरगाहों का नियंत्रण एवं प्रबन्धन जहाजरानी मंत्रालय के अन्तर्गत केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है, जबकि छोटे तथा मध्यम बन्दरगाहों का नियंत्रण एवं प्रबन्धन सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है।

भारत के 13 प्रमुख बड़े बंदरगाह

नाम	अवस्थिति	विशेष
मुम्बई	पश्चिमी तट, महाराष्ट्र	यह देश का सबसे बड़ा वर्ष पर्यन्त खुला रहने वाला प्राकृतिक बंदरगाह है, जो मुम्बई के पास सालसेट द्वीप पर स्थित है। व्यापार की सुगमता के लिए इसे भारत सरकार द्वारा विकसित कर दिया गया है। वर्तमान में यह भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह है।
न्हावा शेवा या जहावाहर लाल नेहरू बंदरगाह	पश्चिमी तट, न्यू मुम्बई, महाराष्ट्र	मुम्बई बंदरगाह से भीड़ को कम करने के लिए मुम्बई के पास इस बंदरगाह का आधुनिक तरीके से निर्माण किया गया है। यह पूर्णतः यंत्रचालित बंदरगाह है जिसका नाम बदलकर जवाहर लाल नेहरू बंदरगाह कर दिया गया है। यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पत्तन है।
कांडला	पश्चिमी तट, गुजरात	यह गुजरात में कच्छ की खाड़ी में स्थित भारत का सबसे बड़ा ज्वारीय बंदरगाह है। यह भारत का प्रथम मुक्त व्यापार क्षेत्र वाला बंदरगाह है। अक्टूबर, 2017 में इसका भी नाम बदलकर *दीनदयाल बन्दरगाह* कर दिया गया।
मॉर्मुगाओ	पश्चिमी तट, गोवा	गोवा की जुवारी/जुआरी नदी के मुहाने पर स्थित यह बंदरगाह 1970 तक भारत का सबसे बड़ा बंदरगाह था।
न्यू मंगलोर	पश्चिमी तट, कर्नाटक	कोच्चि व मॉर्मुगाओ के मध्य पश्चिमी घाट पर स्थित अपेक्षाकृत सबसे छोटा बंदरगाह है।
कोचीन या कोच्चि	पश्चिमी तट, केरल	बेम्बनाद झील के मुहाने पर स्थित यह भी एक प्राकृतिक बंदरगाह है, जो वर्ष भर खुला रहता है। इस बंदरगाह को *पूरब का वेनिस* कहा जाता है।

तूतीकोरिन	पूर्वी तट, तमिलनाडु	यह भारत की मुख्य भूमि के दक्षिण-पूर्वी छोर पर स्थित है, जिसका नाम बदलकर चिदम्बरम पोर्ट कर दिया गया है।
चेन्नई	पूर्वी तट, तमिलनाडु	यह भारत के प्राचीनतम कृत्रिम बंदरगाहों में एक है। पहले तट पर पानी की कमी के कारण बड़े जलयान किनारे तक नहीं आ पाते थे लेकिन बाद में कृत्रिम रूप से गहरा किया गया। यह वर्तमान में मुम्बई के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है।
विशाखापत्तनम	पूर्वी तट, आन्ध्र प्रदेश	यह आन्ध्र प्रदेश के काकीनाड़ा के तट पर स्थित है तथा यह भारत का सबसे गहरा बंदरगाह है। इस बंदरगाह के निकट 'डालफिन पहाड़ी' स्थित होने के कारण यह तेज समुद्री हवाओं से सुरक्षित रहता है।
पाराद्वीप	पूर्वी तट, उड़ीसा	यह पोताश्रय की दृष्टि से सबसे गहरा बंदरगाह है।
कोलकाता	पूर्वी तट, पश्चिम बंगाल	यह एक प्राकृतिक और ज्वारीय बंदरगाह है। यह बंगाल की खाड़ी से 128 किमी. दूर हुगली नदी के तट पर अवस्थित है। इसके प्रमुख पोताश्रय खिदिरपुर और डायमण्ड हार्बर है। कोलकाता बंदरगाह से भार को कम करने के लिए कोलकाता से 100 किमी. दूर हल्दिया में सहायक बंदरगाह का निर्माण किया गया है, जो एक पूर्णतः प्राकृतिक व नदीय पत्तन है। जनवरी, 2020 में इसका नाम बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह कर दिया गया।
पोर्ट-ब्लेयर	बंगाल की खाड़ी, अण्डमान निकोबार	यह अण्डमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित भारत का 13वाँ सबसे बड़ा बंदरगाह है, जिसे 1 जून, 2010 को बड़े बंदरगाहों की सूची में शामिल किया गया। यह भारत की मुख्य भूमि को अण्डमान निकोबार द्वीप समूह से जोड़ता है।
एन्नोर	पूर्वी तट, तमिलनाडु	यह स्वतंत्र भारत का पहला प्राइवेट/निगमीकृत (Corporatized) बंदरगाह है। यह देश का पहला और सबसे बड़ा कम्प्यूटराइज्ड बंदरगाह है। यह चेन्नई के 24 किमी. उत्तर में स्थित चेन्नई बंदरगाह का सहायक बंदरगाह है। फरवरी, 2014 में इसका नाम 'एन्नोर पोर्ट' लिमिटेड से बदलकर 'कामराज पोर्ट लिमिटेड' कर दिया गया। इसका परिचालन 2001 में प्रारंभ किया गया था।
Note : पीपावाह	पश्चिमी तट, गुजरात	यह भारत का पहला पूर्ण रूप से एकल स्वामित्व वाला निजी बंदरगाह है। इसकी स्थापना 1996 में निखिल गाँधी द्वारा गुजरात के अमरेली जिले में कराई गई थी।

निर्मित/निर्माणाधीन सुरंगे एवं पुल अद्यतन

अटल सेतु : जनवरी, 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के सबसे लंबे पुल (21.8 किमी. लंबा) का उद्घाटन किया। यह मुंबई के सेवरी से होकर रायगढ़ जिले के उरण तालुका में न्हावा सेवा पर समाप्त होता है। इसे अधिकारिक रूप से अटल सेतु न्हावा सेवा सी लिंक के नाम से जाना जाता है।

T-49 सुरंग : यह भारतीय रेलवे की सबसे लम्बी सुरंग है, जिसकी लम्बाई 12.758 किमी. है। यह 1400 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जो **उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना** के सुंबर और अर्पिंचला स्टेशन के बीच स्थित है। यह कश्मीर घाटी को शेष भारत से जोड़ती है।

पीर पंजाल सुरंग : यह भारतीय रेलवे की दूसरी सबसे लम्बी सुरंग है, जिसकी लम्बाई 11.2 किमी. है। यह सुरंग भी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है।

T-77 डी सुरंग : यह भारतीय रेलवे की घुमावदार सुरंग है, जिसकी लम्बाई 1.911 किमी. है। यह सुरंग भी उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है।

शिंकुला सुरंग : 4.25 किमी. लम्बी निर्माणाधीन यह सुरंग जास्कर पर्वत श्रेणी को काटकर हिमाचल प्रदेश में बनाई जा रही है, जो निर्माणाधीन दुनिया की सबसे ऊँची (16,580 फीट) सुरंग है। इसका निर्माण BRO द्वारा किया जा रहा है।

सोला सुरंग : यह ब्रम्हपुत्र नदी के नीचे 14 किमी. लम्बी निर्माणाधीन सुरंग है, जो असम को अरूणाचल प्रदेश से जोड़ेगी।

जोजिला सुरंग : 14.15 किमी. लम्बी निर्माणाधीन यह सुरंग भारत की सबसे लम्बी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लम्बी द्वि-दिशात्मक सुरंग है, जो लेह को द्रास, जम्मू-कश्मीर से जोड़ेगी।

अटल सुरंग : हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे के पास निर्मित यह सुरंग 10,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित विश्व की सबसे लम्बी हाइवे सुरंग है जिसकी लम्बाई 8.8 किमी. है।

बनिहाल-काजी गुंडी रोड सुरंग : 8.5 किमी. लम्बी यह सुरंग श्रीनगर को जम्मू से जोड़ती है, जो पीपंजाल श्रेणी में स्थित है।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग : 9.34 किमी. लम्बी यह सुरंग जम्मू को श्रीनगर से जोड़ती है।

भारत की पहली चल सुरंग : क्रान्तिवीरा संगोल्लि रायाण्ण रेलवे स्टेशन पूर्व नाम बेंगलुरू सिटी रेलवे स्टेशन पर भारत की पहली चल सुरंग का निर्माण किया गया है।

रोपवे

वाराणसी रोपवे– उत्तर प्रदेश का वाराणसी शहर सार्वजनिक परिवहन में रोपवे सेवाओं का उपयोग करने वाला भारत का पहला शहर होगा। जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह बोलीविया और मैक्सिको सिटी के बाद सार्वजनिक परिवहन में रोपवे का उपयोग करने वाला विश्व का तीसरा शहर है।

गुवाहाटी नदी रोपवे– यह भारत का सबसे लम्बा नदी रोपवे है, जो गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी पर अवस्थित है, जिसकी लम्बाई 1.8 किमी. है।

देश का पहला केबल रेल ब्रिज : यह भारतीय रेलवे का देश में निर्माणधीन 'पहला केबल रेल ब्रिज' है। जिसका निर्माण अंजी नदी पर किया जा रहा है, जो जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना का हिस्सा है। इसकी लम्बाई 473.25 मीटर है।

दुनिया का सबसे ऊँचा पियर ब्रिज : मणिपुर में दुनियाँ के सबसे ऊँचे स्तम्भ वाला पुल निर्माणाधीन है, जिसके स्तम्भ की ऊँचाई 141 मी. व इस पुल की लम्बाई 703 मीटर होगी। इसे नोनी वैली के पास इजाई नदी पर बनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश का पहला डबल डेकर ब्रिज : जनवरी, 2020 में केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के फाफामऊ में गंगा नदी के ऊपर प्रदेश के पहले डबर डेकर ब्रिज बनाये जाने की घोषणा की। इस पुल पर रिवाल्विंग रेस्टोरेंट भी होगा।

बोगीबील सड़क-रेल पुल : यह असम के डिब्रूगढ़ को अरूणाचल प्रदेश के पासीघाट से जोड़ने वाला देश का सबसे लम्बा सड़क और रेल पुल है, जिसे ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया गया है, जिसकी लम्बाई 4.94 किमी. है।

चिनाब रेलवे पुल : यह भारतीय रेलवे का दुनियाँ का सबसे ऊँचा निर्माणाधीन पुल है, जिसकी ऊँचाई 359 मीटर है।

मैत्री सेतु : यह पुल भारत और बांग्लादेश के बीच फेनी नदी पर बनाया गया है, जिसकी लम्बाई 1.9 किमी. है। यह पुल भारत के सबरूम को बांग्लादेश के रामगढ़ से जोड़ता है।

ढोला-सादिया पुल : यह असम में ब्रह्मपुत्र की सहायक लोहित नदी पर बना देश का सबसे लम्बा सड़क पुल है, जिसकी लम्बाई 9.15 किमी. है। इसे भूपेन हजारिका पुल भी कहते हैं।

भारत की जल विद्युत परियोजनाएँ

जलविद्युत परियोजना

बहते हुए जल की गतिज ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करने की योजना को जलविद्युत परियोजना कहते हैं। इनमें नदियों पर बाँध बनाकर जल की गतिज ऊर्जा को पहले स्थितिज ऊर्जा में बदला जाता है फिर स्थितिज ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदला जाता है। जलविद्युत उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में सातवाँ स्थान है। भारत की पहली जलविद्युत परियोजना पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में वर्ष 1897 में सिद्रापोग नदी पर स्थापित की गयी थी, जिसकी विद्युत उत्पादन क्षमता 130 मेगावाट थी। इसके बाद वर्ष 1902 में कर्नाटक के शिवसमुद्रम में कावेरी नदी पर 130 किलोवॉट की क्षमता का दूसरा जल विद्युत गृह बनाया गया। भारत की नवीनतम व कुछ चर्चित जलविद्युत परियोजनाओं का वर्णन निम्नलिखित है।

परियोजना का नाम	अवस्थित	नदी	क्षमता	स्थिति/विशेष
क्वार जलविद्युत परियोजना	किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	540 मेगावाट	निर्माणाधीन
पाकल दुल परियोजना	किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर	मरुसादर	1000 मेगावाट	निर्माणाधीन
दुलहस्ती परियोजना	किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	390 मेगावाट	निर्मित
सलाला परियोजना	रियासी, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	690 मेगावाट	निर्मित
रटले परियोजना	किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	850 मेगावाट	निर्माणाधीन
बागलीहार जलविद्युत परियोजना	डोडा, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	850 मेगावाट	निर्मित
किरू जलविद्युत परियोजना	डोडा, जम्मू-कश्मीर	चिनाब	624 मेगावाट	निर्माणाधीन
प्यासी जलविद्युत परियोजना	उत्तराखण्ड	यमुना	120 मेगावाट	निर्मित
लखवार जलविद्युत परियोजना	उत्तराखण्ड	यमुना	300 मेगावाट	निर्माणाधीन
रेणुका जी जलविद्युत परियोजना	हिमाचल प्रदेश	गिरि	40 मेगावाट	निर्माणाधीन
खोलोंगंछु जलविद्युत परियोजना	भुटान	खोलोगंछु	600 मेगावाट	निर्माणाधीन (भारत के सहयोग से)
लुहरी स्टेज-1 जलविद्युत परियोजना	हिमाचल प्रदेश	सतलज	210 मेगावाट	निर्माणाधीन
टिहरी-2	उत्तराखण्ड	भागीरथी	1000 मेगावाट	निर्माणाधीन
तपोवन विष्णुगढ़	उत्तराखण्ड	धौलीगंगा	520 मेगावाट	निर्माणाधीन
विष्णुगढ़-पीपलकोठी	उत्तराखण्ड	अलकनंदा	444 मेगावाट	निर्माणाधीन
सिंगोली भटवारी	उत्तराखण्ड	मंदाकिनी	99 मेगावाट	निर्माणाधीन
फटा भुयांग	उत्तराखण्ड	मंदाकिनी	76 मेगावाट	निर्माणाधीन
मध्य महेश्वर	उत्तराखण्ड	मध्यमहेश्वर गंगा	15 मेगावाट	निर्माणाधीन
काली गंगा-2	उत्तराखण्ड	काली गंगा	6 मेगावाट	निर्माणाधीन
एटालिन जलविद्युत परियोजना	अरूणाचल प्रदेश	दिबांग	3097 मेगावाट	निर्माणाधीन
डगमरी जलविद्युत परियोजना	बिहार	कोसी	130 मेगावाट	निर्माणाधीन
लोअर अरूण जलविद्युत परियोजना	पूर्वी नेपाल	अरूण	679 मेगावाट	निर्माणाधीन (भारत के सहयोग से निर्मित हो रही है)
त्रिशुली जलविद्युत परियोजना	नेपाला	त्रिशुली	21 मेगावाट	निर्माणाधीन (भारत के सहयोग से निर्मित हो रही है)
अरूण-3 जलविद्युत परियोजना	नेपाला	अरूण	900 मेगावाट	निर्माणाधीन (भारत के सहयोग से निर्मित हो रही है)
कोहला जलविद्युत परियोजना	POK	झेलम	1124 मेगावाट	निर्माणाधीन
नोट- इस परियोजना का निर्माण चीन द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के हिस्से के रूप में झेलम नदी पर किया जा रहा है।				
पंचेश्वर परियोजना	पूर्वी उत्तराखण्ड	काली	6840 मेगावाट	निर्माणाधीन
नोट- यह भारत और नेपाल की संयुक्त बहुउद्देश्यीय परियोजना है।				
तांकुल परियोजना	चीन, नेपाल, सीमा के पास उत्तराखण्ड, भारत	सिनखोला	12 मेगावाट	निर्माणाधीन

◆◆◆